राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

कार्य पुस्तिका

कक्षा-1

(स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम अन्तर्गत)

NIPUN BHARAT

विद्यार्थी का नाम : _____

एनआईसी आईडी : | | | | | | | | | |

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

कविता

लक्ष्य 2 : Effective Communicator
आयाम : भाषा विकास

जन्मदिन

मम्मी ने सुलाया, रात को सपना आया
मेरा हैप्पी बर्थ डे मिलकर परियों ने मनाया।
बहुत बड़ा सा केक था,
बगिया में क्या देखता
छम-छम परियाँ नाच रही थीं
टॉफी वाला पेड़ था।

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता सुनाएँ।
- सभी बच्चों से बात करें कि क्या आपने कभी सपना देखा है, आप अपने जन्मदिन पर क्या-क्या करते हो?
- बच्चों से उनके अनुभव पूछें कि आप अपना जन्मदिन कैसे मनाते हैं?

मुख्य संरक्षक

डॉ. बुलाकी दास कल्ला

शिक्षा मंत्री (प्राथमिक एवं माध्यमिक), संस्कृत शिक्षा विभाग
राजस्थान सरकार, जयपुर

श्रीमती जाहिदा खान

शिक्षा राज्य मंत्री (प्रारंभिक एवं माध्यमिक)
राजस्थान सरकार, जयपुर

संरक्षक

श्री नवीन जैन (IAS)

शासन सचिव, स्कूल शिक्षा, राजस्थान सरकार, जयपुर

डॉ. टी. शुभमंगला (IAS)

राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर

श्री काना राम (IAS)

निदेशक, प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर, राजस्थान

मुख्य मार्गदर्शक

डॉ. कविता पाठक (RAS)

निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

मार्गदर्शन

डॉ. अनिल पालीवाल (RAS)

अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर

डॉ. गरिमा शर्मा (RAS)

उपायुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर

मार्गदर्शक

श्रीमान् कैलाश चन्द्र तैली	–	प्रोफेसर–1 राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर
डॉ. मोटाराम भादू	–	उपनिदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर

समन्वयक एवं प्रभारी

डॉ. मनीषा उज्वल	–	एसोसिएट प्रोफेसर, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर
वन्दना त्रिवेदी	–	सहायक निदेशक,राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर

विकास समूह

श्रीमती रंजना कोठारी	–	मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक सुमेरपुर, पाली
श्री योगेन्द्र प्रसाद शर्मा	–	वरि.व्याख्याता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गोनेर,जयपुर
श्रीमती पूर्णिमा दास अग्रवाल	–	वरि.व्याख्याता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, टोंक
श्री यशवन्त कुमार शर्मा	–	प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि.बरवाडा,उदयपुर
श्रीमती दीपा चारण	–	प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. देवाली, उदयपुर
श्रीमती वनिता बागरेचा	–	प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. बम्बोरा,उदयपुर
श्री सरदार सिंह चारण	–	प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. बिशनगढ,जालौर
डॉ.अंजली कोठारी	–	व्याख्याता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर
श्री रामनिवास	–	व्याख्याता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, नागौर
श्री पंकज कुमार सनाढय	–	व्याख्याता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, नाथद्वारा
श्री बाबू लाल मीणा	–	व्याख्याता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जालौर
श्रीमती सत्यवती आचार्य	–	व्याख्याता, गुरु गोविन्द सिंह रा.उ.मा.वि.चेतक सर्कल, उदयपुर
श्रीमती अल्का जोशी	–	व्याख्याता, रा.उ.मा.वि. झामर कोटडा, उदयपुर
श्री दिनेश प्रकाश शर्मा	–	व्याख्याता, महात्मा गाँधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, भीण्डर, उदयपुर
श्री कमल सिंह शेखावत	–	प्रधानाध्यापक, रा.उ.प्रा.वि. शिम्भुपुरा, गोविन्दगढ़, जयपुर
श्रीमती मधु सिंह चौहान	–	अध्यापिका, रा. बा. उ. प्रा. वि., अवधपुरी, जयपुर
श्री अनिल कुमार मीणा	–	अध्यापक, रा. उ. प्रा. वि., चौबारा, भादरा, हनुमानगढ़
श्रीमती मधु	–	अध्यापिका, उ. मा. वि. विद्याभवन, उदयपुर
श्रीमती आशा रानी सुमन	–	अध्यापिका, रा. उ. प्रा. वि., खरखड़ा, राजगढ़, अलवर
श्रीमती संगीता सरकार	–	सी डी पी ओ, उदयपुर शहर
श्रीमती शीला रावत	–	महिला पर्यवेक्षक, आईसीडीएस ब्लॉक सराडा, उदयपुर
डॉ.दीपा यादव	–	महिला पर्यवेक्षक,आईसीडीएस ब्लॉक बडगाँव, उदयपुर
श्रीमती निधि रानी जोशी	–	महिला पर्यवेक्षक उदयपुर शहर, उदयपुर
डॉ.ममता कुमावत	–	असिस्टेन्ट प्रोफेसर, लोक मान्य तिलक शि.प्रशिक्षण महाविद्यालय डबोक, उदयपुर

तकनीकी सहयोगी संस्थाएँ

श्रीमती अमृता सेनगुप्ता	–	शिक्षा विशेषज्ञ यूनिसेफ, राजस्थान
श्रीमती शुभ्रा चटर्जी	–	निदेशक, विक्रमशीला एजूकेशन सोसायटी, कोलकाता
श्री संदीप एडविन	–	निदेशक, प्रारम्भ फाउंडेशन, जयपुर
श्री चन्द्रशेखर दुबे	–	सलाहकार यूनिसेफ, जयपुर
सुश्री सन्नो श्रीवास्तव	–	सलाहकार यूनिसेफ (E.C.C.E.), जयपुर
ऋति मुखर्जी	–	विक्रमशीला एजूकेशन सोसायटी, कोलकाता

प्रथम–माह

आकलन प्रपत्र

बच्चों के विद्यालय जाने की तैयारी पर एक नजर

उद्देश्य – विद्यालय कार्यक्रम हेतु रुचि विकसित करना एवं बच्चों को विद्यालय के वातावरण और सीखने, समायोजन करने में मदद करना।

विद्यार्थी का नाम–..... **ऊँचाई**..... **वजन**.....

स्वयं की स्वच्छता के सम्बन्ध में अभिव्यक्ति – **स्वच्छ/सुधार की आवश्यकता**

कपड़े..... नाखून..... दाँत.....

आँख..... कान..... नाक..... बाल.....

1. समायोजन एवं नियमों का पालन	बहुत कम (C)	कभी-कभी (B)	हमेशा (A)
खुशी से विद्यालय आता है।			
अपने सभी शिक्षक, साथी, परिजनों का सम्मान करता है।			
स्वयं की व पर्यावरण की देखभाल करता है।			
साथियों की सहायता करता है व सभी के साथ सामग्री साझा करता है।			
अपनी बारी का इंतजार करता है।			
सामूहिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेता है।			
साथियों तथा वस्तुओं के साथ खेलने में आनंद की अनूभुति करता है।			
अपनी भावनाओं को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करता है।			
गतिविधियों, नृत्य, खेल आदि में स्वयं से पहल करता है।			
नियमित खेल के नियमों व सामान्य निर्देशों की पालना करता है।			
2. आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी	**मदद की आवश्यकता**	**कठिनता से कर सकते हैं।**	**सरलता से कर सकते हैं।**
मिट्टी और पानी वाले खेलों में शामिल होता है।			
शारीरिक संतुलन स्थापित कर लेता है। जैसे– बाधा दौड़ में हिस्सा लेता है।			
आवश्यकतानुसार तेज व धीमे दौड़ता है।			
दोनों हाथों से गेंद को फेंकता और पकड़ता है।			
3. रचनात्मक, कलात्मक और उत्कृष्ट विकासात्मक कौशल के लिए कला गतिविधियों में भागीदारी	**मदद की आवश्यकता**	**कठिनता से कर सकते हैं।**	**सरलता से कर सकते हैं।**
साँचे में मिट्टी डाल कर आकृति बनाता है व मिट्टी पर आरेख बनाता है।			
आसानी से छाप बनाता है।			
मोती माला में रगों के क्रमानुसार मोती लगाता/पिरोता है।			
सरल चित्र बनाता है तथा कागज फाड़ता है और चिपकाता है।			

4. संख्यात्मक कौशल और पर्यावरण जागरुकता	मदद की आवश्यकता	कठिनता से कर सकते हैं।	सरलता से कर सकते हैं।
पर्यावरण की वस्तुओं को जानने के लिए जिज्ञासा एवं उत्सुकता व्यक्त करता है।			
इन्द्रियों के उपयोग से वस्तुओं की पहचान करता है।			
दो वस्तुओं का मिलान/ तुलना करता है जैसे- आकार, रंगों के आधार पर व चित्रों में अन्तर करता है।			
संबंधों व उनके भाग को समझता है।			
खाली और भरे हुए की अवधारणा को समझता है।			
5. मौखिक अभिवृद्धि का प्रदर्शन	**बहुत कम**	**कभी-कभी**	**हमेशा**
वयस्क और बच्चों के साथ स्वतन्त्र रूप से विचार विमर्श करता है।			
रुचि, भावना और आवश्यकताओं को शाब्दिक और संकेतों से व्यक्त करता है।			
पूर्ण वाक्य को स्पष्टता के साथ बोलता है।			
गीत की ध्वनि से आनंद की अनुभूति करता है।			
6. उभरते पठन कौशल का प्रदर्शन	**बहुत कम**	**कभी-कभी**	**हमेशा**
तस्वीरों, पुस्तकों और अन्य प्रिंट सामग्री से जुड़ाव और अर्थ ग्रहण करता है।			
कहानी और कविताओं को ध्यानपूर्वक सुनता है।			
चित्र में वस्तुओं की पहचान करता है।			
वाक्य में शब्दों की पहचान करता है।			
तुकान्त शब्दों को पहचानता है।			
7. उभरते लेखन कौशल का प्रदर्शन	**बहुत कम**	**कभी-कभी**	**हमेशा**
पेन्सिल सही तरीके से पकड़ता है।			
रेत व हवा में ट्रेसिंग करता है।			
घटना, स्थिति पर विचार व्यक्त करता है एवं विचारों का प्रतिनिधित्व करता है।			

बच्चे की विशिष्टता

- **विशेष रुचि** ..... बच्चे की प्रतिभा .....
- **क्षमता** .....

नियमित उपस्थिति- हाँ /नहीं ..... समयबद्धता- हाँ /नहीं .....

टिप्पणी : .....

.....

हस्ताक्षर शिक्षक **हस्ताक्षर संस्था प्रधान** **हस्ताक्षर माता/पिता**

मय दिनांक **मय दिनांक** **मय दिनांक**

नोट : स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम अन्तर्गत विद्यार्थियों के साथ कार्यपत्रक एवं गतिविधियाँ कराने के दौरान नियमित रूप से आकलन किया जाना है। माह की समाप्ति पर आकलन प्रपत्र को कार्यपुस्तिका से पृथक कर विद्यार्थी की पोर्टफोलियो फाईल में संधारित किया जाए।

द्वितीय-माह

आकलन प्रपत्र

बच्चों के विद्यालय जाने की तैयारी पर एक नजर

उद्देश्य – बुनियादी मूलभूत शिक्षण कौशल विकसित करना।

विद्यार्थी का नाम–..... **ऊँचाई**..... **वजन**.....

स्वयं की स्वच्छता के सम्बन्ध में अभिव्यक्ति – **स्वच्छ/सुधार की आवश्यकता**

कपड़े..... नाखून..... दाँत.....

आँख..... कान..... नाक..... बाल.....

1. समायोजन एवं नियमों का पालन	बहुत कम (C)	कभी-कभी (B)	हमेशा (A)
स्वास्थ्य और स्वच्छता बनाए रखता है।			
पौष्टिक आहार लेने की आदतों को अपनाता है।			
स्वच्छ व स्वस्थ आदतों का अनुसरण करता है।			
सामूहिक गतिविधियों में पहल कर सक्रिय रूप से भाग लेता है।			
परिस्थिति के अनुरूप भावनाओं को व्यक्त करता है।			
कहानियों और चित्रों के अनुसार अपनी भावना व्यक्त करता है।			
सामाजिक संबंधों को दूसरों के साथ व्यक्त करता है।			
विभिन्न निर्देशों व खेल के नियमों का पालन करता है।			
कक्षागत और दैनिक दिनचर्या व्यवहार के नियमों का पालन करता है।			
कक्षा-कक्षीय जिम्मेदारियों एवं गतिविधियों को स्वतंत्र रूप से निभा पाता है।			
कार्य को पूरा करने के लिए अधिक ध्यान एवं दृढ़ता दिखाता है।			
नृत्य और नाटक में स्वयं की भूमिका निर्धारित करता है।			
2. आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी	**मदद की आवश्यकता**	**कठिनता से कर सकते हैं।**	**सरलता से कर सकते हैं।**
किसी विशेष दिशा में गेंद को फैंकता है या लक्ष्य की तरफ किक मारता है।			
निर्धारित दूरी से गेंद को हवा में पकड़ता है।			
मिट्टी एवं पानी के खेल में भाग लेता है।			
योग अभ्यास और नृत्य में उत्साह दिखाता है।			
एक पैर पर आगे और पीछे कूदता है।			
3. रचनात्मक, कलात्मक और उत्कृष्ट विकासात्मक कौशल के लिए कला गतिविधियों में भागीदारी	**मदद की आवश्यकता**	**कठिनता से कर सकते हैं।**	**सरलता से कर सकते हैं।**
साधारण ओरिगेमी या कागज फोल्डिंग करता है।			
कागज को सिकोड़ता एवं चिपकाता है।			
पंख जैसी आकृति का चित्र बनाते हैं।			
रिक्त स्थान पर रंग भरता है।			
ब्रश से पेन्ट करता है।			
अँगुलियों एवं साँचों की मदद से छापे लगाता है।			
विभिन्न वस्तुओं के साथ मुद्रण करता है।			
मिट्टी या आटे से बुनियादी आकार बनाता है।			

4. संख्यात्मक कौशल और पर्यावरण जागरूकता	मदद की आवश्यकता	कठिनता से कर सकते हैं।	सरलता से कर सकते हैं
विभिन्न वस्तुओं में लम्बाई की तुलना करता है।			
प्राकृतिक घटनाओं का अवलोकन करता है।			
गुणों के आधार पर वस्तुओं को छाँटता है, जैसे- रंग/आकार			
वस्तुओं को क्रमानुसार व्यवस्थित करता है।			
पैटर्न की पहचान कर उसको पूरा करता है।			
आकृति के नाम की पहचान करता है जैसे वर्ग, चोकोर, तिकोना।			
पहेली को हल कर सकता है (2 से 4 बाधाओं के बाद)।			
पहेली के गलत और गायब हिस्सों को पहचानता है।			
वस्तुओं को आकृति के आधार पर क्रमबद्ध करता है। (ऊँचाई और लम्बाई)			
साधारण मापन गतिविधियों को स्वतत्रतां पूर्वक करता है।			
छोटा, बडा, लम्बा, भारी, हल्का आदि के लिए सही शब्दों का इस्तेमाल करता है।			
समाजिक संबंधों को दूसरों के साथ साझा करता है।			
परिस्थिति अनुसार अपनी भावनाओं को व्यक्त करता है।			
त्योहार और उत्सव के बारे में बताता है।			
कठिनाइयों की पहचान कर हल करता है।			
5. मौखिक अभिवृद्धि का प्रदर्शन	**बहुत कम**	**कभी-कभी**	**हमेशा**
सुनकर पाठ समझता है।			
किसी घटना को देख कर छोटे वाक्यों में वर्णन करता है।			
मिश्रित वाक्यों की पहचान करता है।			
सामान्य शब्दों के प्रारम्भिक व अन्तिम ध्वनि को पहचानता है।			
रचनात्मकता प्रदर्शित करता है।			
गीतों को तुकबंदी के साथ गा कर आनंद लेता है।			
6. उभरते पठन कौशल का प्रदर्शन	**बहुत कम**	**कभी-कभी**	**हमेशा**
तुकान्तक शब्दों की पहचान करता है।			
ध्वनि प्रतिकों को पहचानता व शब्दों को पढ़ने का प्रयास करता है।			
प्रिन्ट सामग्री पढ़ने के तरीके को पहचानता है, जैसे- दांये से बांये, ऊपर से नीचे।			
7. उभरते लेखन कौशल का प्रदर्शन	**बहुत कम**	**कभी-कभी**	**हमेशा**
उचित पकड़ के साथ लेखन व रंग भरता है।			
लिखने हेतु पेन्सिल का सही उपयोग करता है।			
किसी चित्र को पढ़ता है व सरल शब्दों में व्याख्या करता है।			

बच्चे की विशिष्टता

- **विशेष रुचि** ..... बच्चे की प्रतिभा .....
- **क्षमता** .....

नियमित उपस्थिति- हाँ /नहीं ..... समयबद्धता- हाँ /नहीं .....

टिप्पणी : .....

.....

हस्ताक्षर शिक्षक **हस्ताक्षर संस्था प्रधान** **हस्ताक्षर माता/पिता**

मय दिनांक **मय दिनांक** **मय दिनांक**

नोट : स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम अन्तर्गत विद्यार्थियों के साथ कार्यपत्रक एवं गतिविधियाँ कराने के दौरान नियमित रूप से आकलन किया जाना है।
माह की समाप्ति पर आकलन प्रपत्र को कार्यपुस्तिका से पृथक कर विद्यार्थी की पोर्टफोलियो फाईल में संधारित किया जाए।

तृतीय-माह

आकलन प्रपत्र

बच्चों के विद्यालय जाने की तैयारी पर एक नजर

उद्देश्य – बुनियादी मूलभूत शिक्षण कौशल विकसित करना।

विद्यार्थी का नाम–..... **ऊँचाई**..... **वजन**.....

स्वयं की स्वच्छता के सम्बन्ध में अभिव्यक्ति – **स्वच्छ/सुधार की आवश्यकता**

कपड़े..... नाखून..... दाँत.....

आँख..... कान..... नाक..... बाल.....

1. समायोजन एवं नियमों का पालन	बहुत कम (C)	कभी-कभी (B)	हमेशा (A)
अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श को समझता है।			
दूसरों के साथ सामाजिक संबंध स्थापित करने का प्रयास करता है।			
विभिन्न गतिविधियों में भाग लेता है।			
समस्याओं का समाधान बताता है और विभिन्न परिस्थितियों में समायोजन करता है।			
सही और गलत के बीच पहचान करता है व झगड़े का समाधान करता है।			
स्कूल में वयस्कों, शिक्षकों एवं बच्चों की सहायता करता है।			
विशेष जरूरत वाले बच्चों के प्रति संवेदनशीलता दिखाता है।			
साथियों के साथ सामग्री साझा करके मित्रता और टीम भावना को प्रदर्शित करता है।			
विभिन्न प्रकार के निर्देशों का पालन करता है।			
वस्तुओं को सुव्यवस्थित रखता है।			
पौधों और जानवरों की देखभाल करता है।			
2. आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी	**कठिनता से कर सकते हैं।**	**मदद की आवश्यकता**	**सरलता से कर सकते हैं।**
गेंद से लक्ष्य की तरफ निशाना लगाता है।			
एक टाँग पर कूदने की दौड़ में भाग लेता है।			
सीढ़ियों और रस्सी पर आत्मविश्वास के साथ चढ़ता है।			
खेल, नृत्य और योग गतिविधियों में भाग लेता है।			
टायर, बैरल आदि को धक्का देता है।			
गेंद को आसानी से उछालता व पकड़ता है।			
3. रचनात्मक, कलात्मक और उत्कृष्ट विकासात्मक कौशल के लिए कला गतिविधियों में भागीदारी	**कठिनता से कर सकते हैं।**	**मदद की आवश्यकता**	**सरलता से कर सकते हैं।**
सरल चित्र बनाता है व चित्र की पंक्तियों में रगं भरता है।			
वस्तु का ठीक से पता लगाता/खोजता है।			
कैंची से चित्र को काटता और चिपकाता है।			
उंगलियों से छपाई करता है।			
बिन्दुओं को जोड़ता और चित्र को रंग देता है।			
कोलाज बनाता है।			
धागे या फीते आदि का उपयोग कर विभिन्न प्रकार के पैटर्न बनाता है।			

4. संख्यात्मक कौशल और पर्यावरण जागरूकता	कठिनता से कर सकते हैं।	मदद की आवश्यकता	सरलता से कर सकते हैं।
सरल प्राकृतिक घटनाओं का अवलोकन और विश्लेषण करता है।			
1 से 10 तक संख्या क्रमानुसार पढ़ता है।			
1 से 10 तक संख्या बढ़ाने की समझ प्रदर्शित करता है।			
किसी संख्या से आगे गिनता है। (10 तक मात्रा को)			
मात्रा के आधार पर कम या ज्यादा समूह की पहचान करता है।			
मोती, बटन, अन्य उपलब्ध सामग्री से संख्याओं की आकार बनाता है।			
1 से 10 तक अंक लिखता है।			
पैटर्न बनाता है और बढ़ाता है।			
भूलभुलैया व पहेलियों को हल करता है।			
एक क्रम में वस्तुओं और घटनाओं को व्यवस्थित कर बताता है।			
मार्गदर्शन के साथ प्राकृतिक घटनाओं को अवलोकन/विश्लेषण करता है।			
त्योहारों की गतिविधियों में सक्रियता से भाग लेता है।			
पौधे के विभिन्न भागों एवं उसके विकास के लिए आवश्यक तत्वों को पहचानता है।			
फलों और सब्जियों को रंग, बनावट और स्वाद से पहचानता है।			
पालतू और जंगली जानवरों के बीच अंतर करता है।			
दिन और रात के भौतिक परिवर्तनों को समझता है।			
5. मौखिक अभिवृद्धि का प्रदर्शन	**बहुत कम**	**कभी-कभी**	**हमेशा**
सुनकर समझता और जवाब देता है।			
अपनी बात को वाक्यों में उपयोग कर समझाता है।			
सार्थक बातचीत में शामिल होता है।			
शब्दों की प्रारम्भिक, मध्य और अन्तिम ध्वनियों की पहचान करता है।			
जोड़कर या प्रतिस्थापित कर नए शब्द बनाता है।			
सार्थक प्रश्न करता और सही जवाब देता है।			
6. उभरते पठन कौशल का प्रदर्शन	**बहुत कम**	**कभी-कभी**	**हमेशा**
परिचित कहानी को अपने शब्दों में सुनाता है।			
पुस्तकालय से पुस्तकें चुनता है।			
तस्वीरों और अर्थपूर्ण शब्दों को समझता है।			
7. उभरते लेखन कौशल का प्रदर्शन	**बहुत कम (C)**	**कभी-कभी (B)**	**हमेशा (A)**
चित्रों और शब्दों के द्वारा विचारों को व्यक्त करने का प्रयास करता है।			
अक्षर और संख्या लिखने का प्रयास करता है।			
चित्रों के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए उपकरणों का उपयोग करता है। (लिखकर, चित्रों, खिलौनों आदि से)			

बच्चे की विशिष्टता

- **विशेष रुचि** ..... बच्चे की प्रतिभा .....
- **क्षमता** .....

नियमित उपस्थिति- हाँ /नहीं ..... समयबद्धता- हाँ /नहीं .....

टिप्पणी : .....

हस्ताक्षर शिक्षक **हस्ताक्षर संस्था प्रधान** **हस्ताक्षर माता/पिता**

मय दिनांक **मय दिनांक** **मय दिनांक**

नोट : स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम अन्तर्गत विद्यार्थियों के साथ कार्यपत्रक एवं गतिविधियाँ कराने के दौरान नियमित रूप से आकलन किया जाना है।

माह की समाप्ति पर आकलन प्रपत्र को कार्यपुस्तिका से पृथक कर विद्यार्थी की पोर्टफोलियो फाईल में संधारित किया जाए।

दिनांक : .....

मेरा परिवार

लक्ष्य 2 : Effective Communicator
आयाम : सामाजिक भावनात्मक विकास

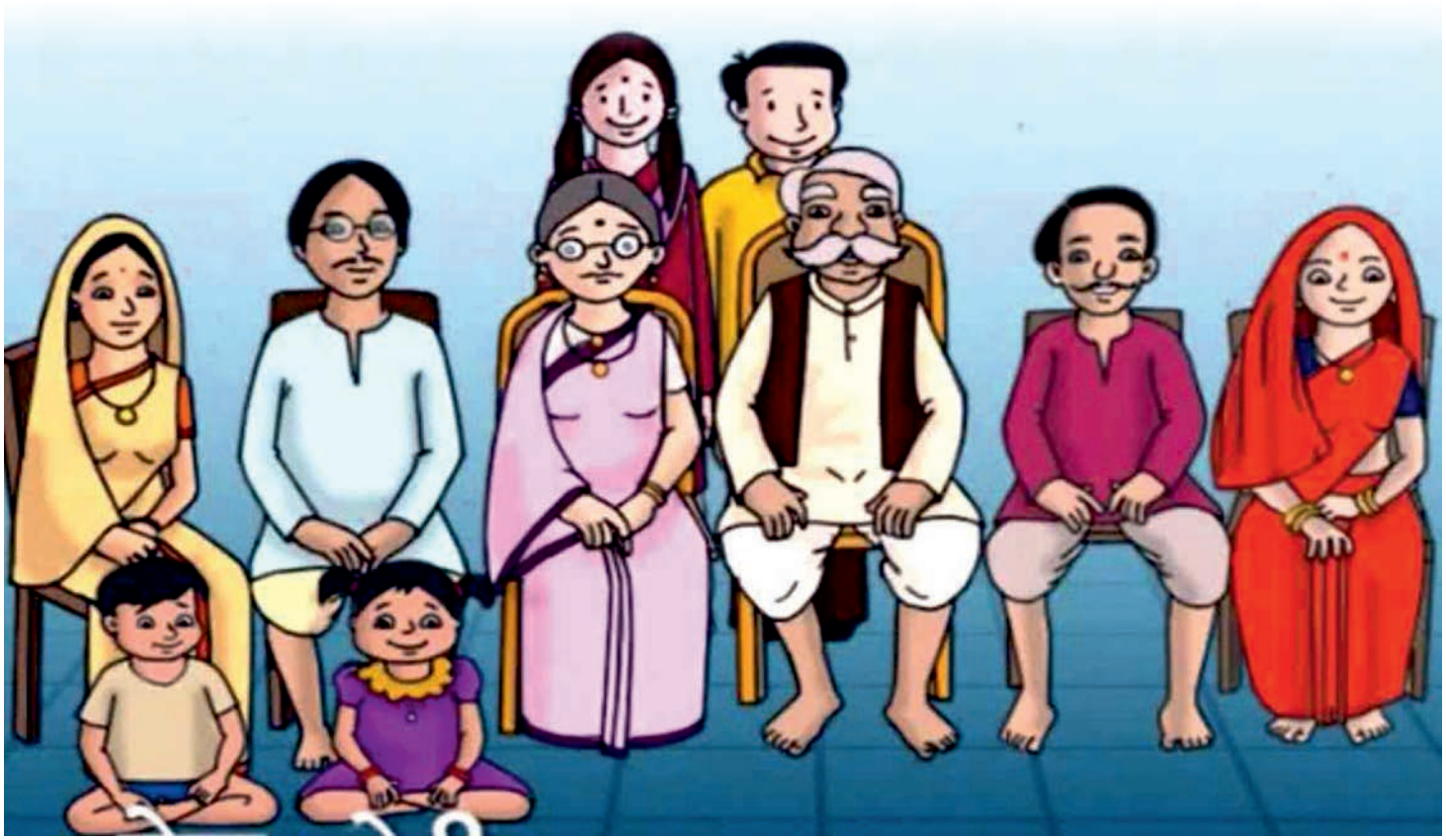

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से कार्यपत्रक पर दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- सभी बच्चों से पूछे कि उनके परिवार में कौन-कौन है ? आपके मम्मी-पापा क्या-क्या काम करते हैं, आपको घुमाने कौन लेकर जाता है ? आदि।
- बच्चों से उनका, स्वयं का व माता-पिता का नाम पूछें।

देखें, पहचानें, याद करें

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में बात करें।
- सभी बच्चों को दिए गए चित्र को देखने/अवलोकन करने का पर्याप्त समय दें, प्रयास करें कि बच्चे चित्र पर आपस में बातचीत कर सकें।
- सभी बच्चों से कार्यपत्रक बंद करवाकर चित्र में क्या-क्या देखा इसके बारे में पूछें ।
- सभी बच्चों के द्वारा बताए गए चित्र पर सही का चिह्न लगवाएँ।

मेरा परिवार

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well being

आयाम : सामाजिक एवं भावनात्मक विकास

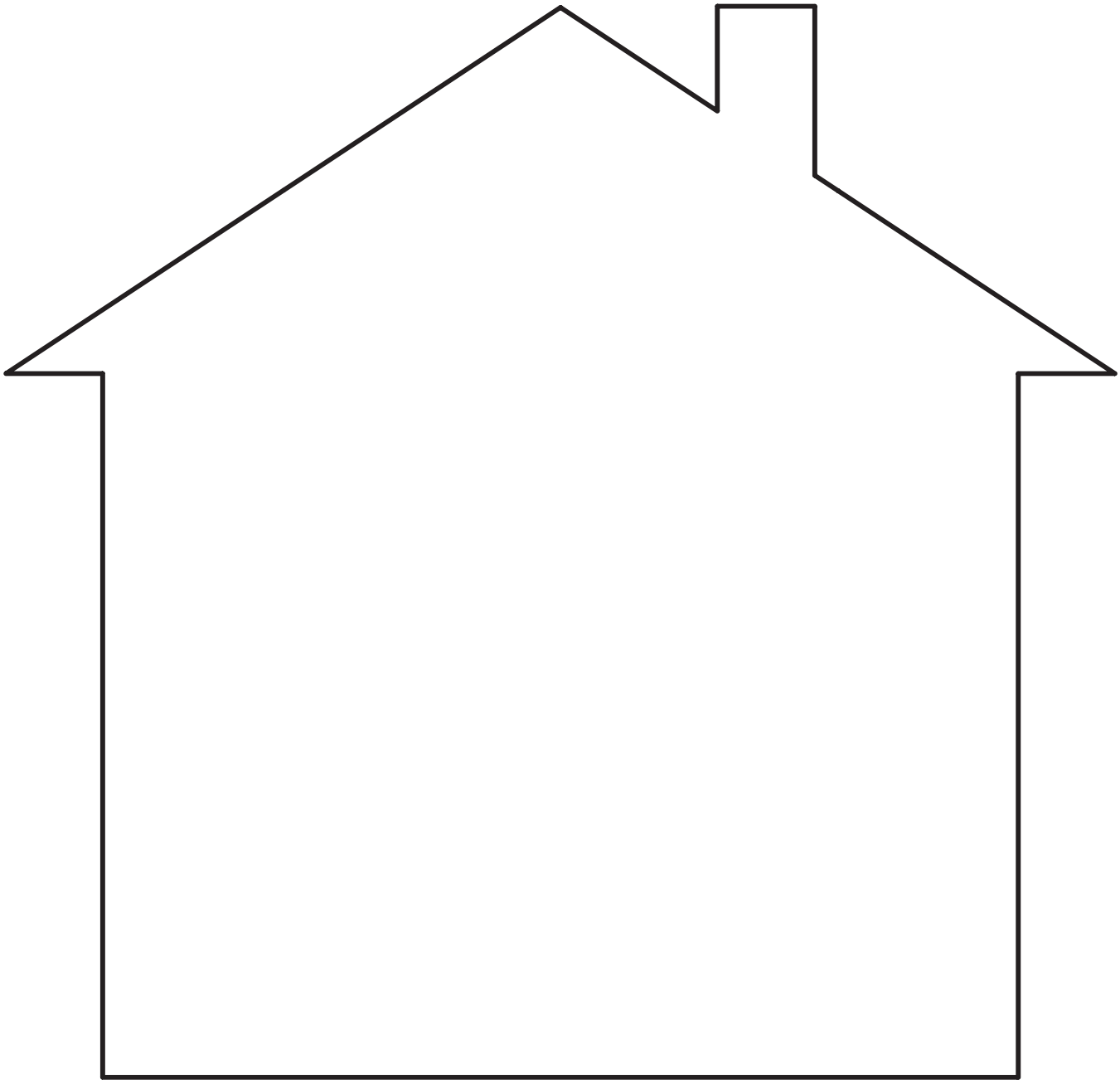

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों की मदद करते हुए उनके परिवार के सदस्यों के चित्र बनवाएँ।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों के बारे में उनसे पूछें कि वे कौन-कौन हैं? उन्हें सबसे ज्यादा कौन पसंद है? आदि।

दिनांक : .....

कहानी

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

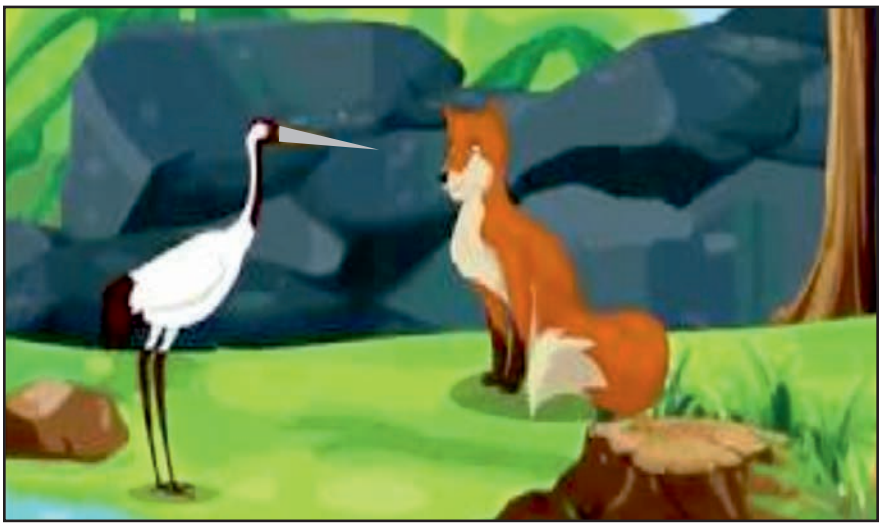

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- चित्र को दिखाते हुए बच्चों को कहानी सुनाएँ।
- शिक्षक सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे कहानी ध्यान से सुनें।
- शिक्षक कहानी सुनाने के बाद बच्चों से कहानी को दोहराने के लिए कहें।
- कहानी सुनाने के पश्चात शिक्षक बच्चों से प्रश्न पूछें –
  1. लोमड़ी ने सारस को दावत में खाना खाने के लिए क्या दिया?
  2. सारस ने लोमड़ी को किस बर्तन में खाने के लिए दिया?
  3. लोमड़ी ने सारस को थाली में ही खीर खाने को क्यों दी?
- शिक्षक इस प्रकार के और नए प्रश्न बनाकर पूछें।

हाव-भाव

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well being

आयाम : सामाजिक एवं भावनात्मक विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों के साथ अलग-अलग परिस्थितियों में व्यक्त किए जाने वाले संवेगों पर बातचीत करें।
- चित्रों के अनुसार दी गई स्माइलीज का मिलान करवाएँ।
- बच्चों से स्थानीय भाषा में बात करें।

स्वाद की पहचान

दिनांक : ....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में बात करें।
बच्चों से दिए गए चित्रों के नाम पूछते हुए इनके स्वाद के बारे में जाने।
बच्चों से दिए गए चित्रों में से खट्टी चीजों के पास वाले बॉक्स में रंग भरवाएँ।

हस्ताक्षर अभिभावक

हस्ताक्षर शिक्षक

छोटे-बड़े की पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

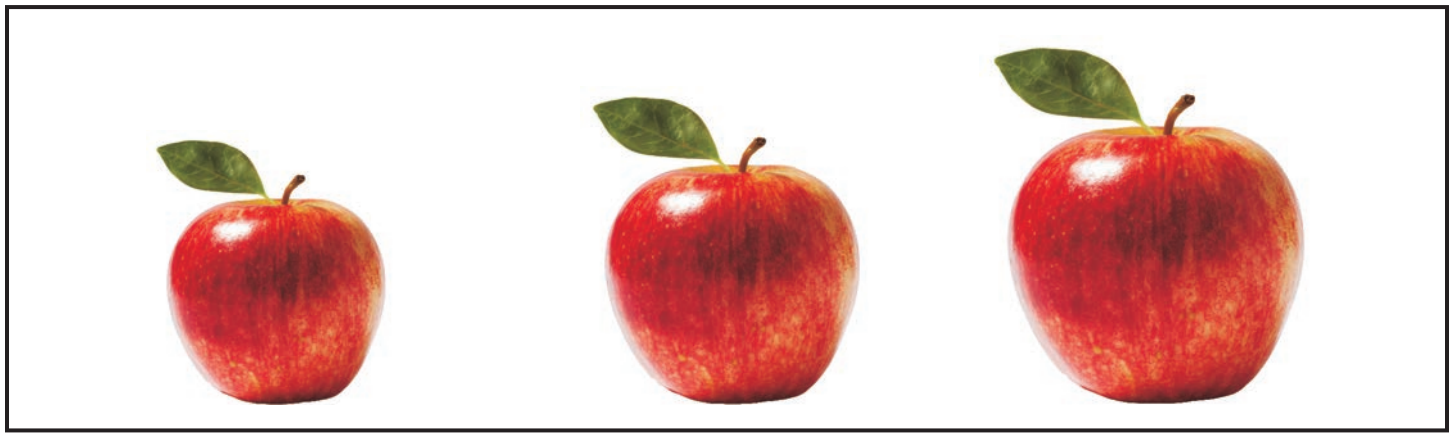

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में बात करें।
- दिए गए चित्र पर चर्चा करते हुए बच्चों को तुलनात्मक दृष्टि से छोटे-बड़े की पहचान कराएँ।
- सभी बच्चों से दिए गए प्रत्येक समूह में सबसे बड़े चित्र पर सही (✓) का चिह्न लगवाएँ।

मिट्टी से खेल

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well being

आयाम : सामाजिक एवं भावनात्मक विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- चित्र में दिखाए एवं मिट्टी से संबंधित खेलों पर स्थानीय भाषा में बातचीत करें।
- बच्चों को खिलौने बनाने के साधन मिट्टी या क्ले पूर्व में उपलब्ध कराएँ।
- ध्यान रखें कि बच्चे मिट्टी अपनी आँख या मुँह में न डालें।

बच्चों से मिट्टी की गोलियाँ बनवाएँ।

विधि:

- बच्चों से मिट्टी की गोलियाँ बनवाएँ।
- बच्चों को विभिन्न वस्तुएँ दिखाकर उनको बनवाएँ।
- बच्चों से मिट्टी के खिलौने बनवाएँ एवं खिलौनों को धूप में सुखाएँ।

चित्र बनाओ

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well being

आयाम : सामाजिक एवं भावनात्मक विकास

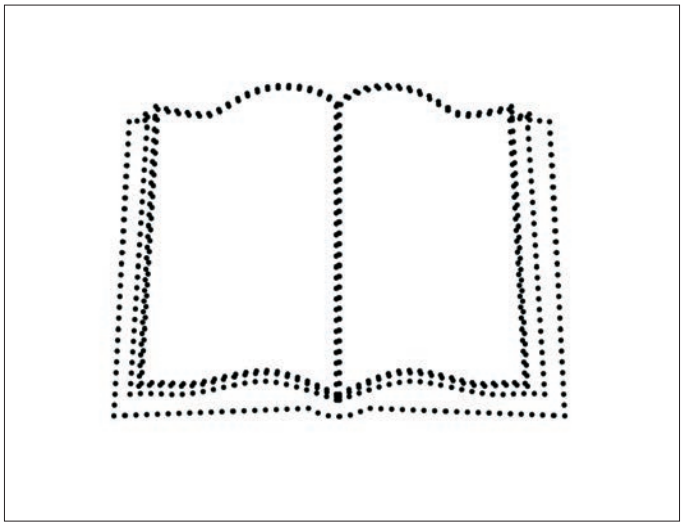

पुस्तक

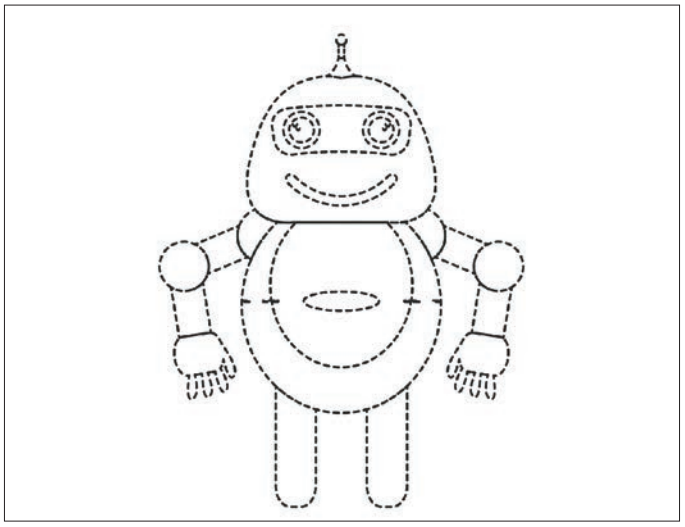

खिलौना

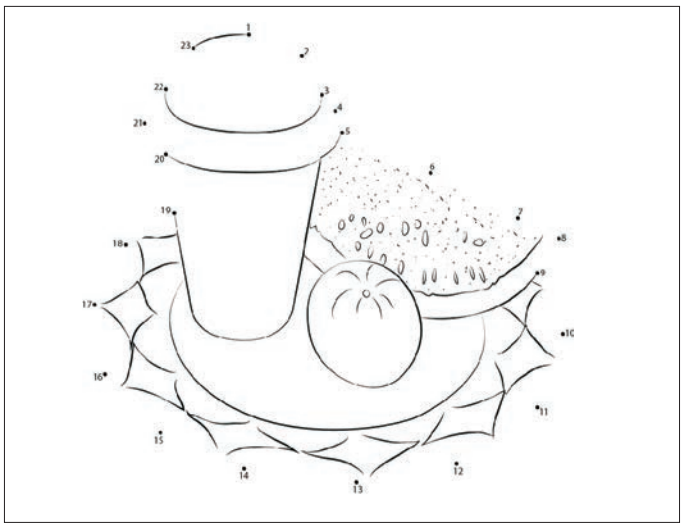

भोजन

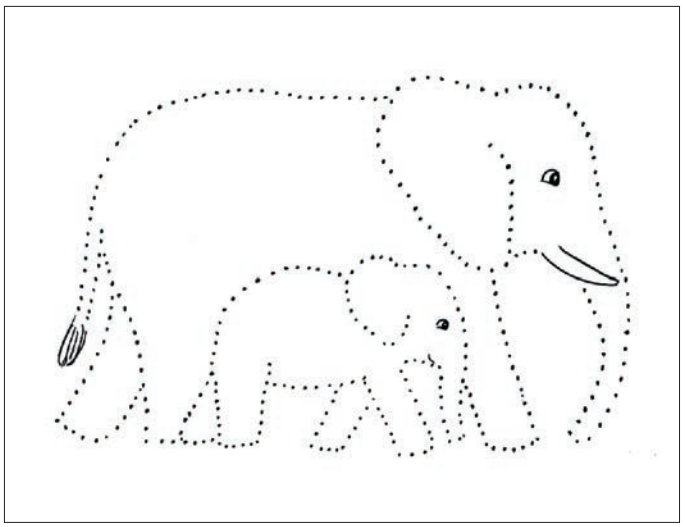

जानवर

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से उनकी मनपसंद चीजों के बारे में बातचीत करें।
- बच्चों को दिए गए जगह पर उनकी मनपसंद चीजों के चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों से बातचीत कर प्रोत्साहित करते रहें।

चिकने-खुरदरे की पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से कौन-कौन सी फल-सब्जिया चिकने और खुरदरे सतह के होते हैं, उन पर बातचीत करें।
- चिकनी सतह वाले चित्र पर सही का चिह्न लगवाएँ।

दिनांक : .....

शरीर के अंग

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

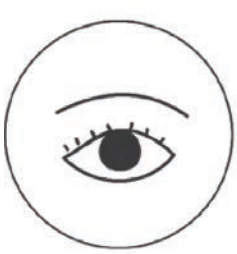

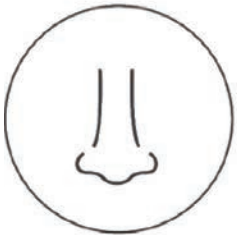

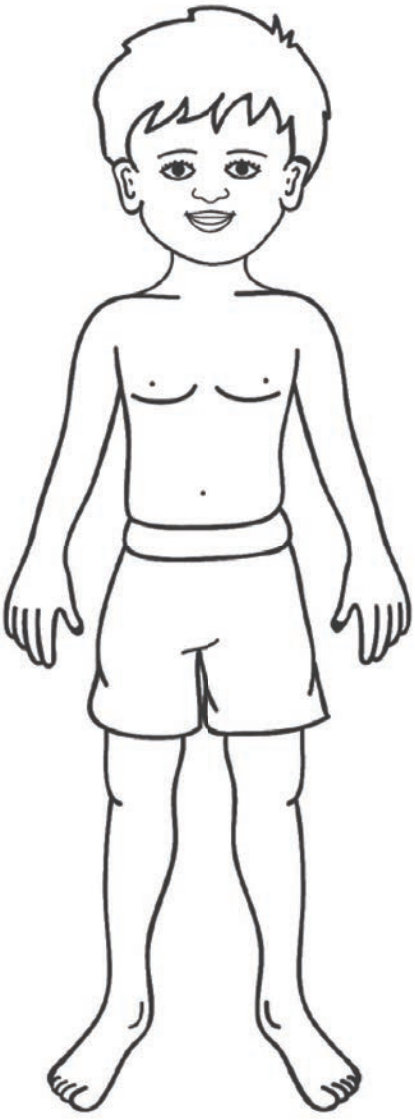

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से शरीर के विभिन्न अंगों पर बात करें ।
- बच्चों से गोले में दिए गए शरीर के अंगों का बच्चे के शरीर के चित्र से मिलान करवाएँ।
- बच्चों से शरीर के अंगों के कार्य और उनकी साफ-सफाई के बारे में भी चर्चा करे।

बिंदु मिलान

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : रचनात्मक विकास

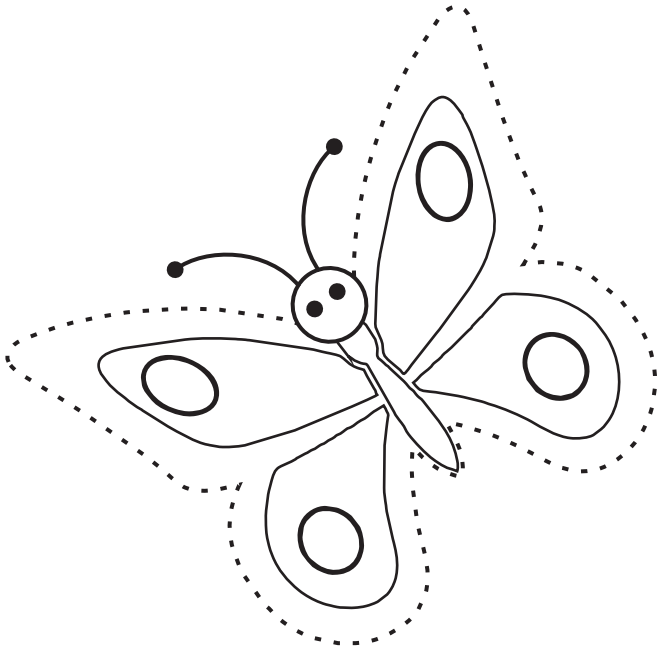

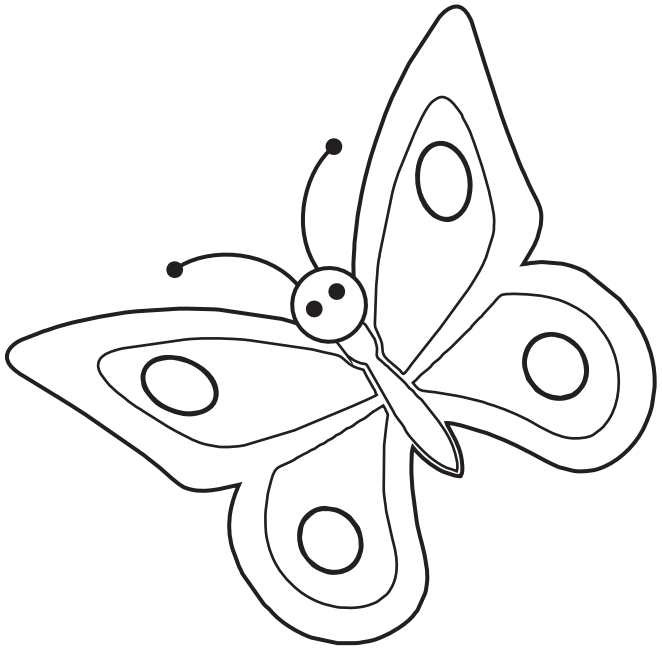

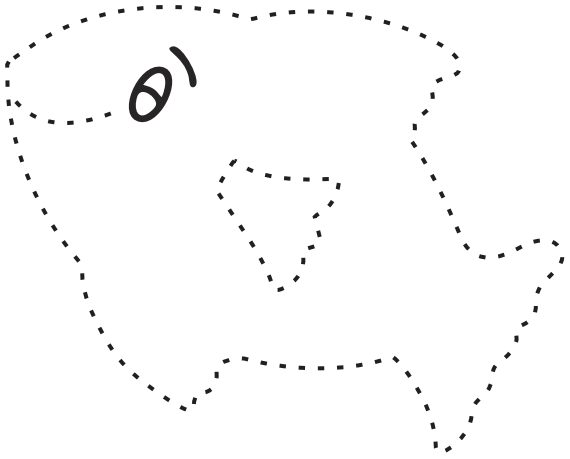

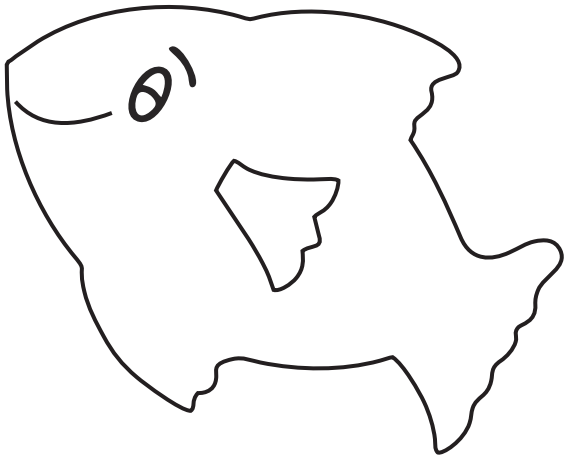

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से बिंदु मिलान करवाते हुए चित्र पूरा करने को कहें एवं चित्र में रंग भरवाएँ।

मिलान करें

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

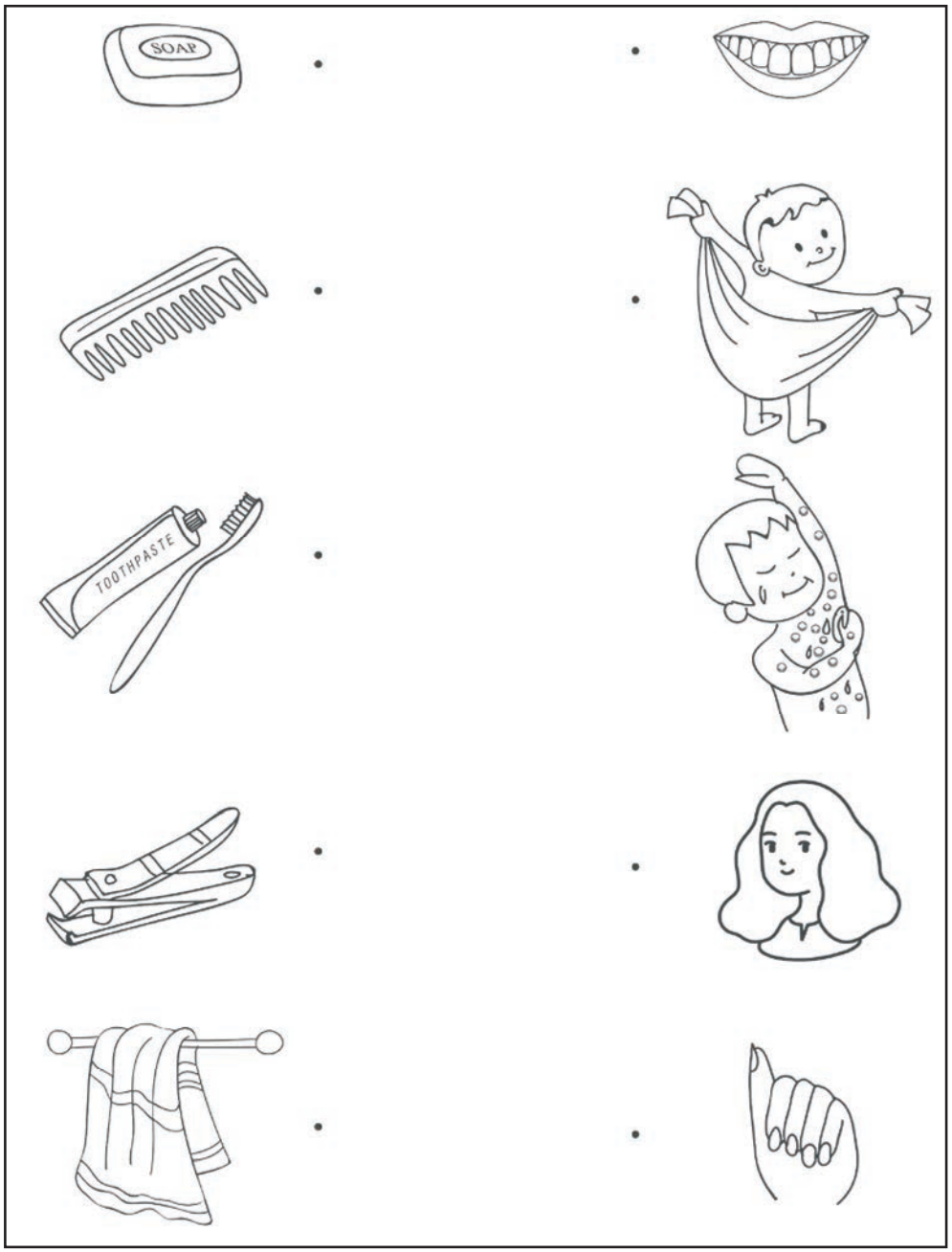

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दी गई वस्तुओं एवं उनके उपयोग के बारे में बातचीत करें।
- दी गई वस्तुओं का चित्र से मिलान करवाएँ।

अंतर ढूंढो तो जाने

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

चित्र संख्या 1

चित्र संख्या 2

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में बात करें।
- सभी बच्चों से चित्र संख्या 1 व 2 में क्या अंतर है, बात करें।
- सभी बच्चों से चित्र संख्या 2 में जो अंतर है, उसे चित्र एक से देखकर पूरा करने में मदद करें।

मेरा गाँव

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

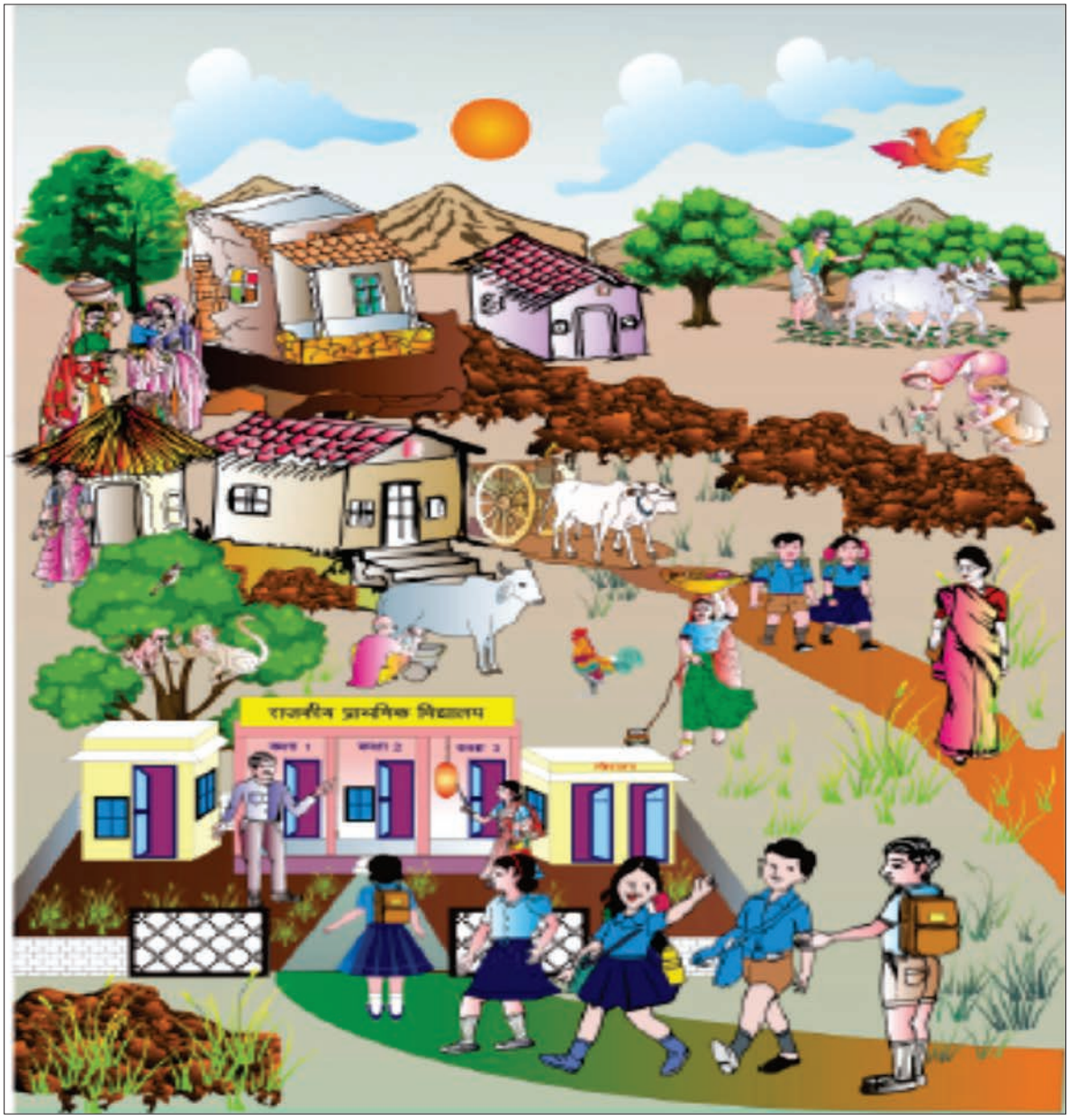

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर खुली बातचीत करें ।
- उन बच्चों को प्रोत्साहित करें जो बातचीत करने में झिझक रहे हों।

बिंदु मिलान

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : शारीरिक विकास

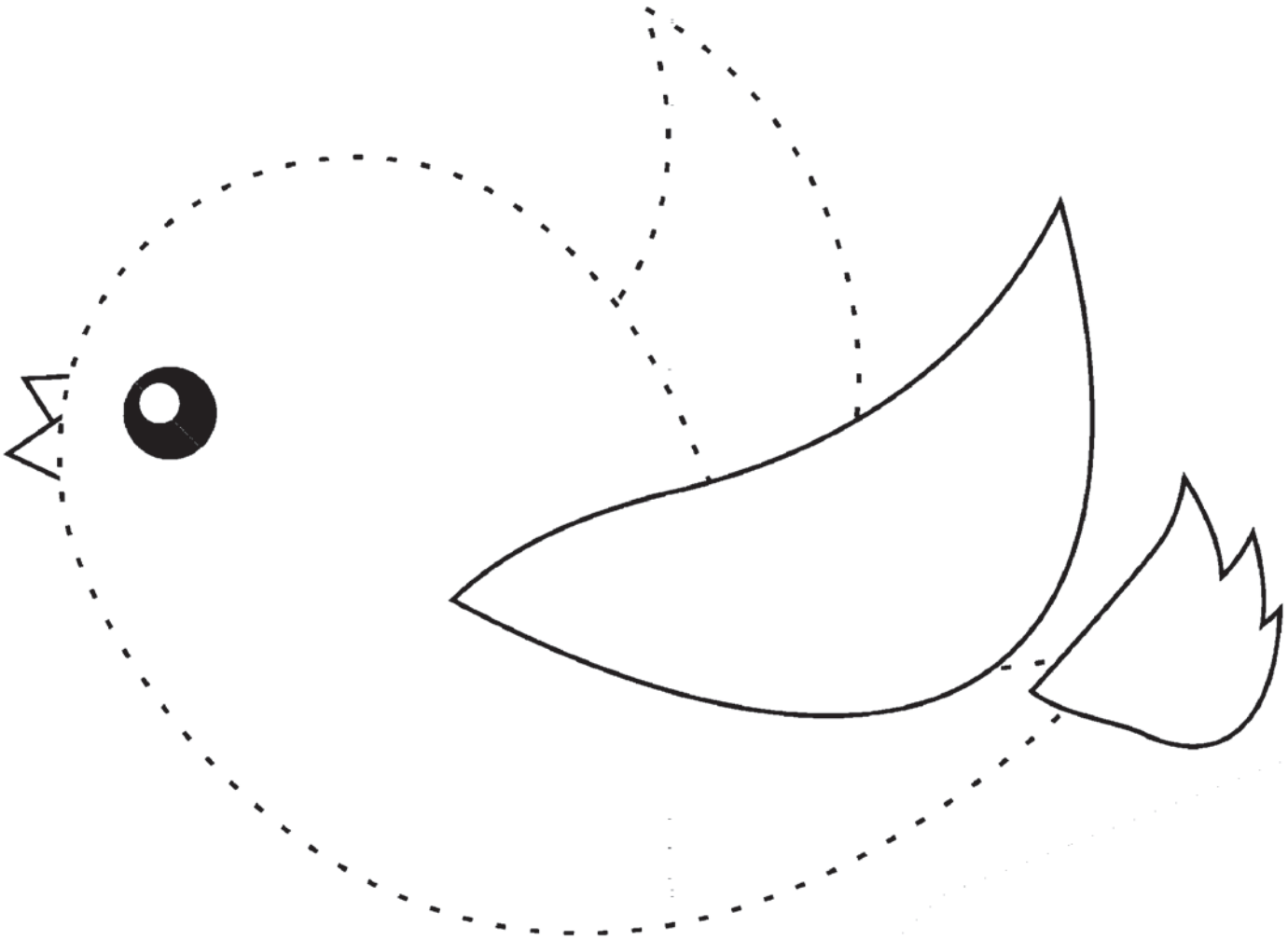

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से बिंदु मिलान करवाते हुए चित्र पूरा करने को कहें एवं चित्र में रंग भरवाएँ।

बिंदु मिलान

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : शारीरिक विकास

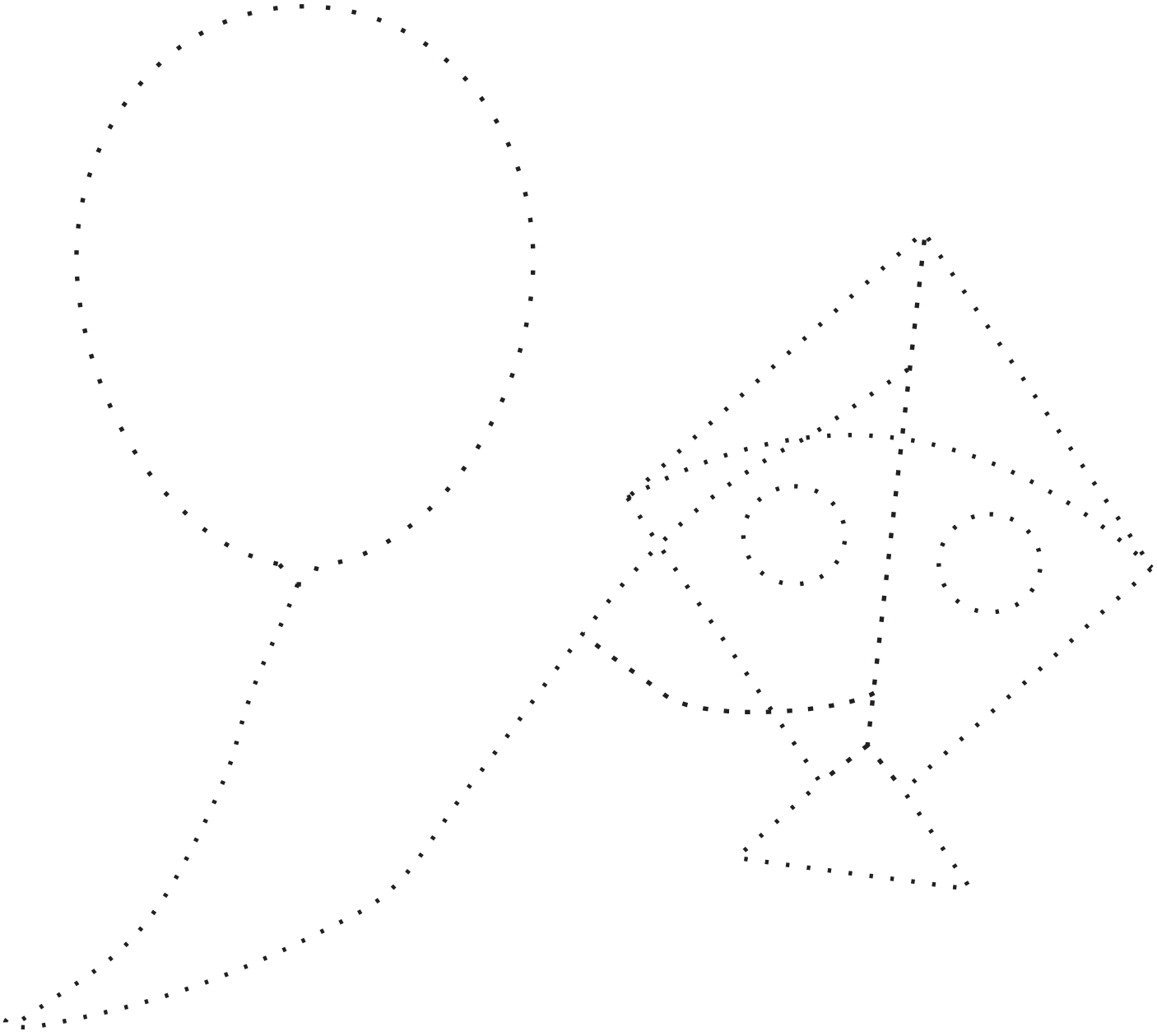

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से बिंदु मिलान करवाते हुए चित्र पूरा करने को कहें एवं चित्र में रंग भरवाएँ।

कविता

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

मेला

दादाजी कितने अच्छे, मुझे घुमाते मेले में,

रंग बिरंगे झूले कितने, मुझे झुलाते झूले में,

सर्कस में है हाथी - घोड़े और भोले बंदर

टिकट लेकर दादाजी, हमें ले गए अंदर

रंग बिरंगे लोग दिख रहे, खूब सजे हैं मेले में,

अलग - अलग खेल खिलौने, मिल रहे हैं मेले में।

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता सुनाएँ।
- सभी बच्चों से कविता का दोहरान करवाएँ।
- सभी बच्चों से मेले के चित्र के बारें में छोटे-छोटे प्रश्न पूछें, जैसे : आप कभी मेले में गए हो, मेले में क्या-क्या होता है ?

दिनांक : .....

'म' ध्वनि की पहचान

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से 'म' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों के नाम / शब्दों को स्वयं बोल कर अनुकरण करवाएँ।
- बच्चों से 'म' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों को पहचान कर गोला लगवाएँ।
- चित्रों को देखकर उनके नाम पूछें।

दिनांक : .....

'म' ध्वनि की पहचान

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

मछली

मटर

म

मटका

मग

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से 'म' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों के नाम / शब्दों को स्वयं बोल कर अनुकरण करवाएँ।
- बच्चों से 'म' ध्वनि से शुरू होने वाले अन्य शब्द बुलवाएँ

रंग भरवाना

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : शारीरिक विकास

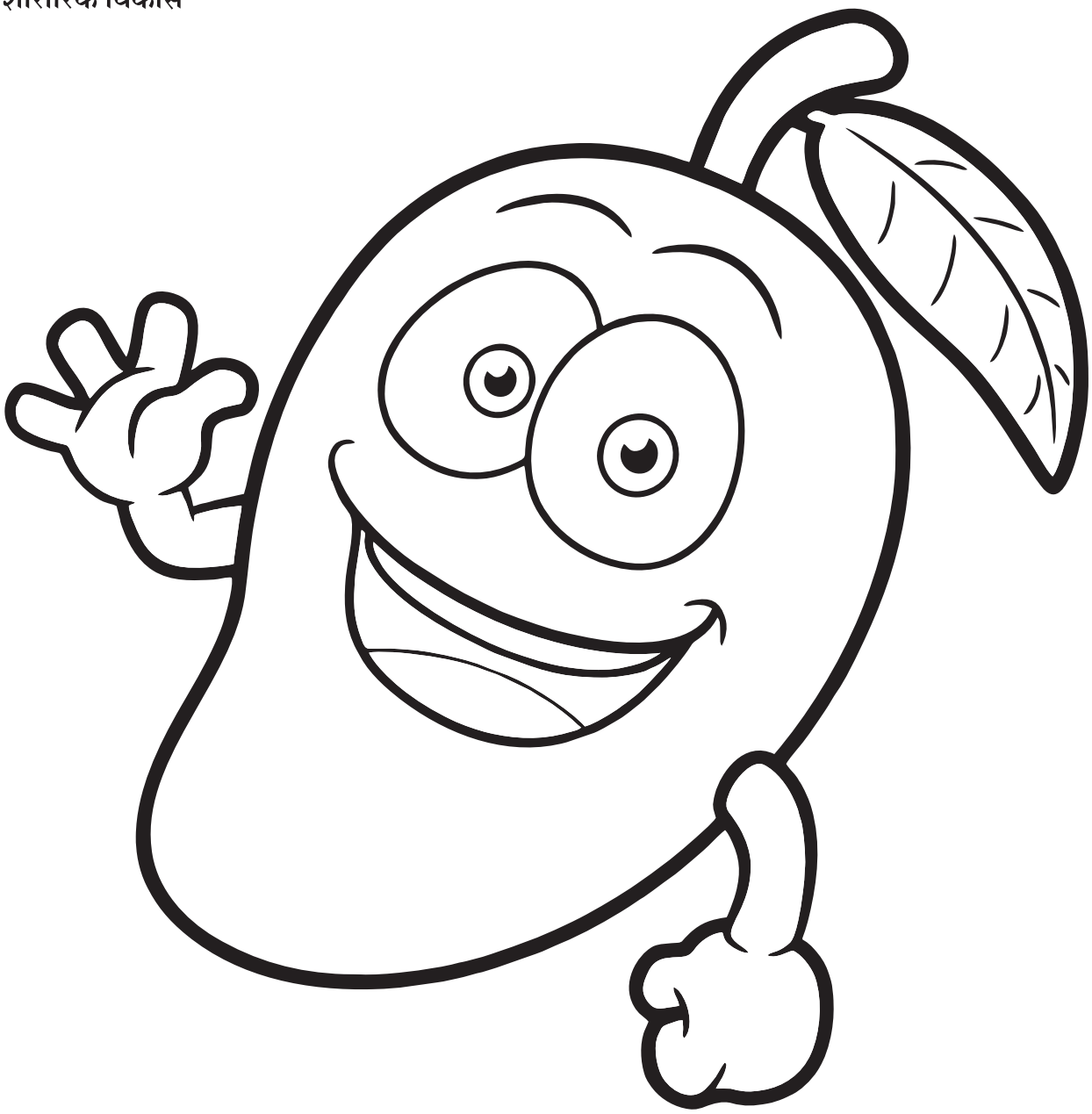

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए आम के चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से आम के चित्र में रंग भरवाएँ।

'म' वर्ण पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator
आयाम : भाषा विकास

मटर

म

मछली महल कमल

कलम मन्दिर मकड़ी

मटका मकान मक्का

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को 'म' वर्ण की पहचान करवाएँ।
- बच्चों को 'म' वर्ण से शब्द बुलवाएँ।
- बच्चों से 'म' वर्ण पर गोला लगवाएँ।

दिनांक : .....

'म' वर्ण का लेखन

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

म म म म

म म म म

म म म म

म म म म

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को 'म' वर्ण के बिंदुओं का मिलान करवाएँ।
- बच्चों से 'म' वर्ण के मोड़ पर रेखा खिंचवाकर 'म' वर्ण लिखना सिखाएँ।
- बच्चों से 'म' ध्वनि से शुरू होने वाले अन्य शब्द बुलवाएँ।

ध्वनि पहचानना

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

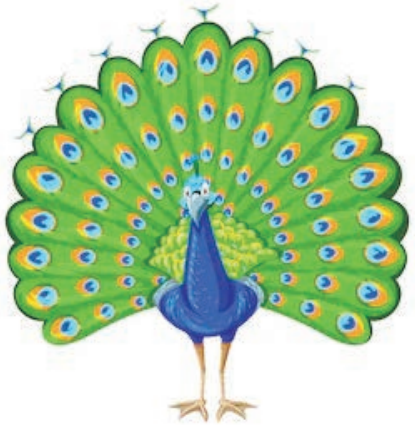

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ।
- कार्यपत्रक में दिए गए पशु-पक्षियों की ध्वनि निकाल कर बताएँ।
- शिक्षक द्वारा एक जानवर की आवाज निकाली जाएगी तथा बच्चों से जानवर की आवाज पहचानने के लिए पूछा जाएगा।
- बच्चों से पूछे की आपने इनमें से कौनसे जानवर की आवाज सुनी है उस पर गोला करें।

मुलायम की पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में बात करें।
- शिक्षक उपरोक्त पर बात करके दिए चित्रों की आपस में तुलना कर मुलायम वस्तुओं पर घेरा लगवाएँ।

रंग भरवाना

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : शारीरिक विकास

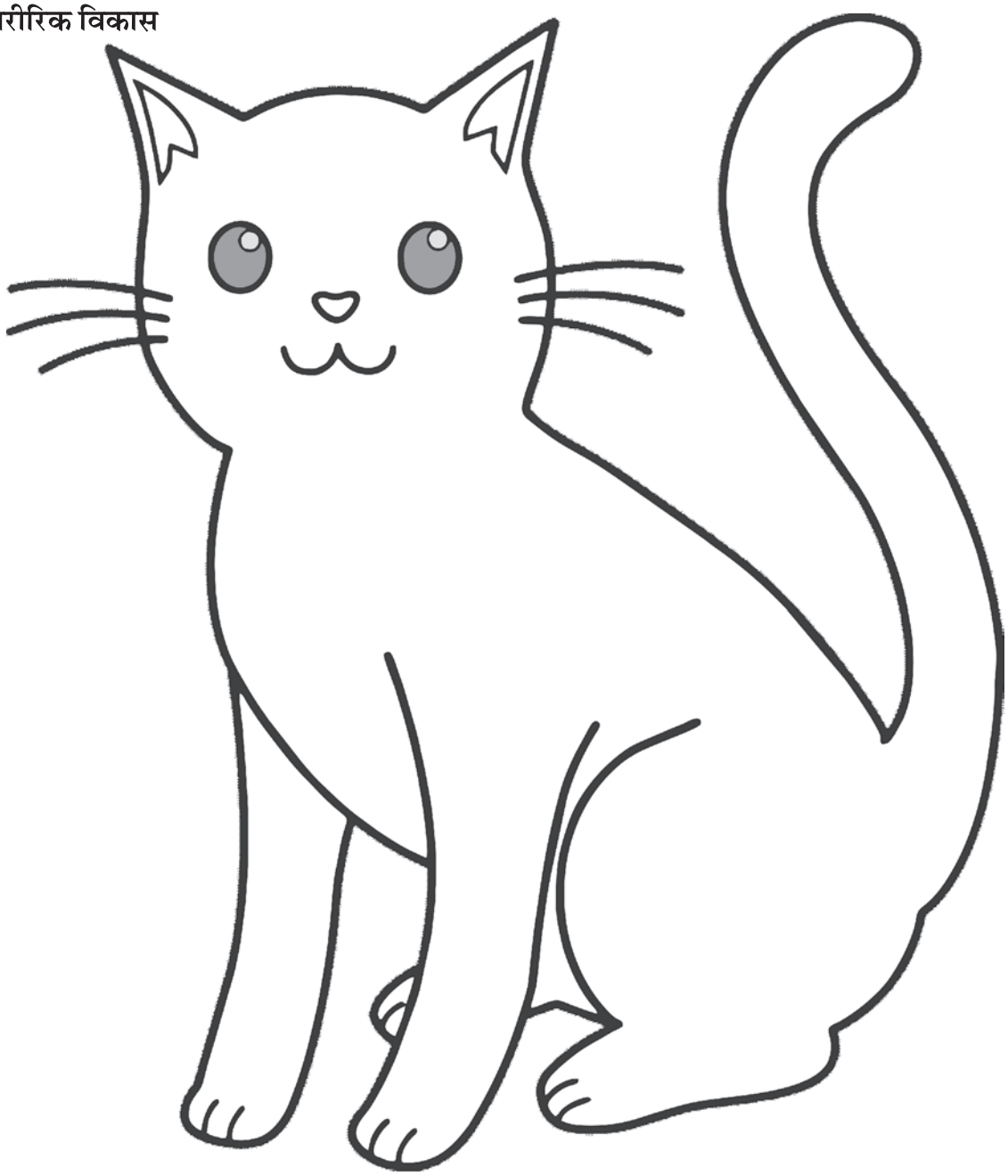

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- शिक्षक चित्र में बच्चों से रंग भरवाएँ।

दिनांक : .....

'क' ध्वनि की पहचान

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से 'क' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों के नाम / शब्दो को स्वयं बोलकर बच्चों से भी बुलवाएँ।
- बच्चों से 'क' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों की पहचान करवाकर गोला लगवाएँ।
- बच्चों से चित्रों को देखकर उनके नाम पूछें।

'क' ध्वनि की पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

ककड़ी

कमल

क

करेला

कछुआ

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- शिक्षक बच्चों से 'क' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों के नाम / शब्दो को स्वयं बोलकर बच्चों से भी बुलवाएँ।
- शिक्षक बच्चों से 'क' ध्वनि से शुरू होने वाले अन्य शब्द बुलवाएँ।

पैटर्न बनाएँ

दिनांक : ....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : **बौद्धिक विकास**

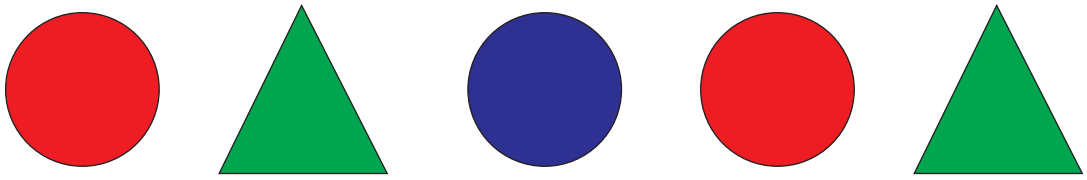

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई वर्कशीट पर बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से दिए गए पैटर्न के क्रम पर चर्चा करें व नीचे अनुकरण करें।

'क' वर्ण पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

कमल

क

कल कम कलम

ककड़ी कचोरी कड़ाही

कबूतर कमल कटोरी

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को 'क' वर्ण की पहचान करवाएँ।
- बच्चों को 'क' वर्ण से शब्द बुलवाएँ।
- बच्चों से 'क' वर्ण पर गोला लगवाएँ।

दिनांक : .....

'क' वर्ण का लेखन

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

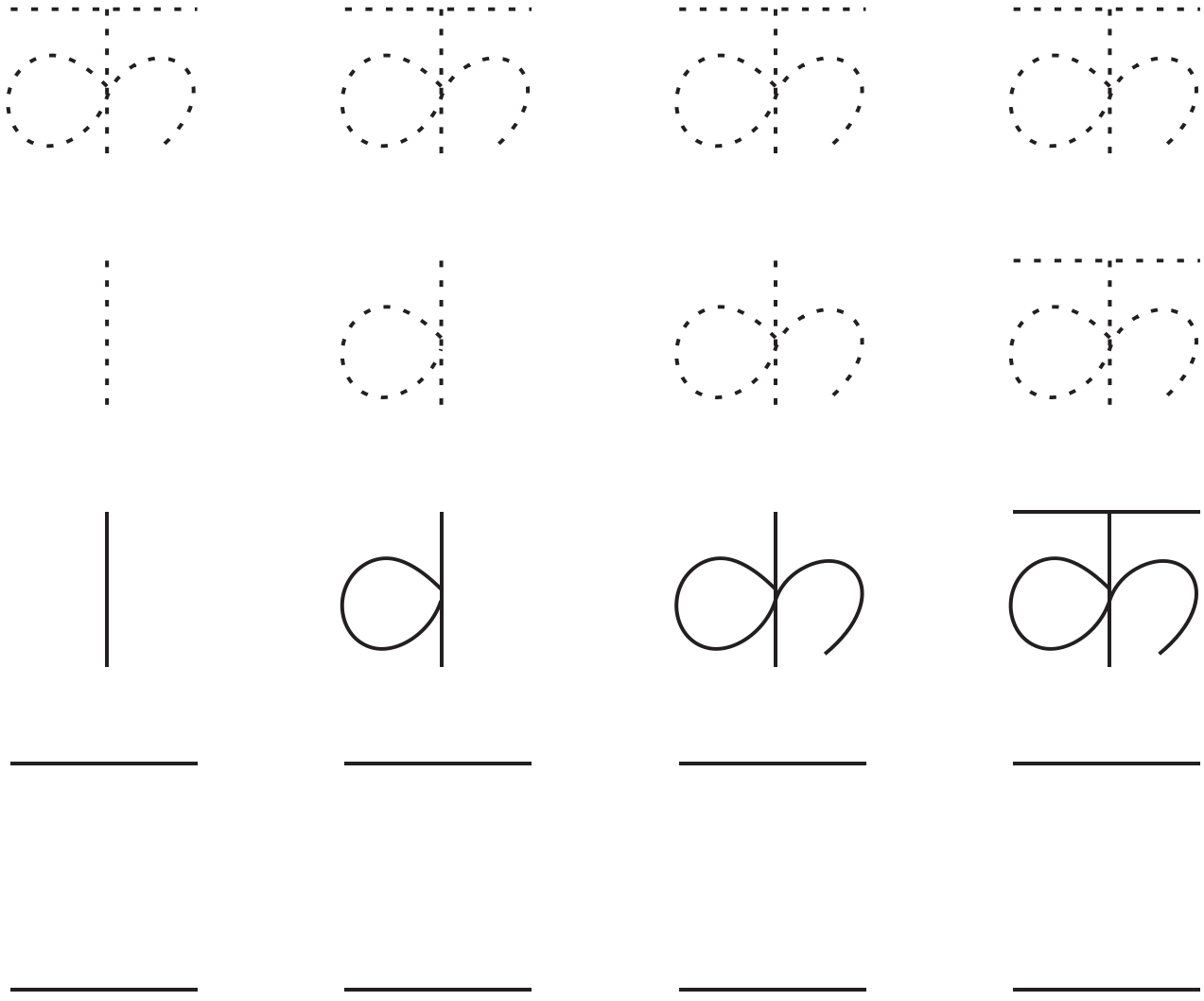

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को 'क' वर्ण के बिंदुओं का मिलान करवाएँ।
- बच्चों से 'क' वर्ण के मोड़ पर रेखा खिंचवाकर 'क' वर्ण लिखना सिखाएँ।
- बच्चों से 'क' ध्वनि से शुरू होने वाले अन्य शब्द बुलवाएँ।

पालतू / जंगली जानवरों की पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से दिए गए चित्रों के माध्यम से जीव जंतुओं की विशेषता पर बात करें।
- सभी बच्चों से पालतू जंतुओं के चित्रों पर सही (✓) का चिह्न लगवाएँ।

कम-ज्यादा की पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में चर्चा करें।
- बच्चों को चित्र बताकर सबसे कम फल वाली प्लेट पर अँगुली लगाने को कहें।
- बच्चों को चित्र बताकर सबसे ज्यादा फल वाली प्लेट पर अँगुली लगाने को कहें।
- बच्चों से सबसे कम से अधिक की ओर बढ़ते हुए फलों की संख्या के आधार पर पेंसिल से लाइन बनाने को कहें।

अपने पसंद का चित्र बनाएँ

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : शारीरिक विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चे द्वारा बनाए गए चित्र पर बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चे द्वारा बनाए गए चित्र की विशेषता पर बात करें।

'न' वर्ण की पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator
आयाम : भाषा विकास

नीना आज नाना नानी के घर गई। बाहर काफी धूप थी इसलिए नीना नीला छाता लेकर गई। नानी ने नीना के लिए नारियल के लड्डू बनाए। नीना ने लड्डू खाकर नल से पानी पिया। नीना को बहुत मजा आया।

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कहानी बच्चों को सुनाएँ और न वर्ण वाले शब्दों पर विशेष जोर दें।
- बच्चों से कहानी में आए 'न' शब्द का दोहरान कराए।

छाप लगवाना

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : शारीरिक विकास

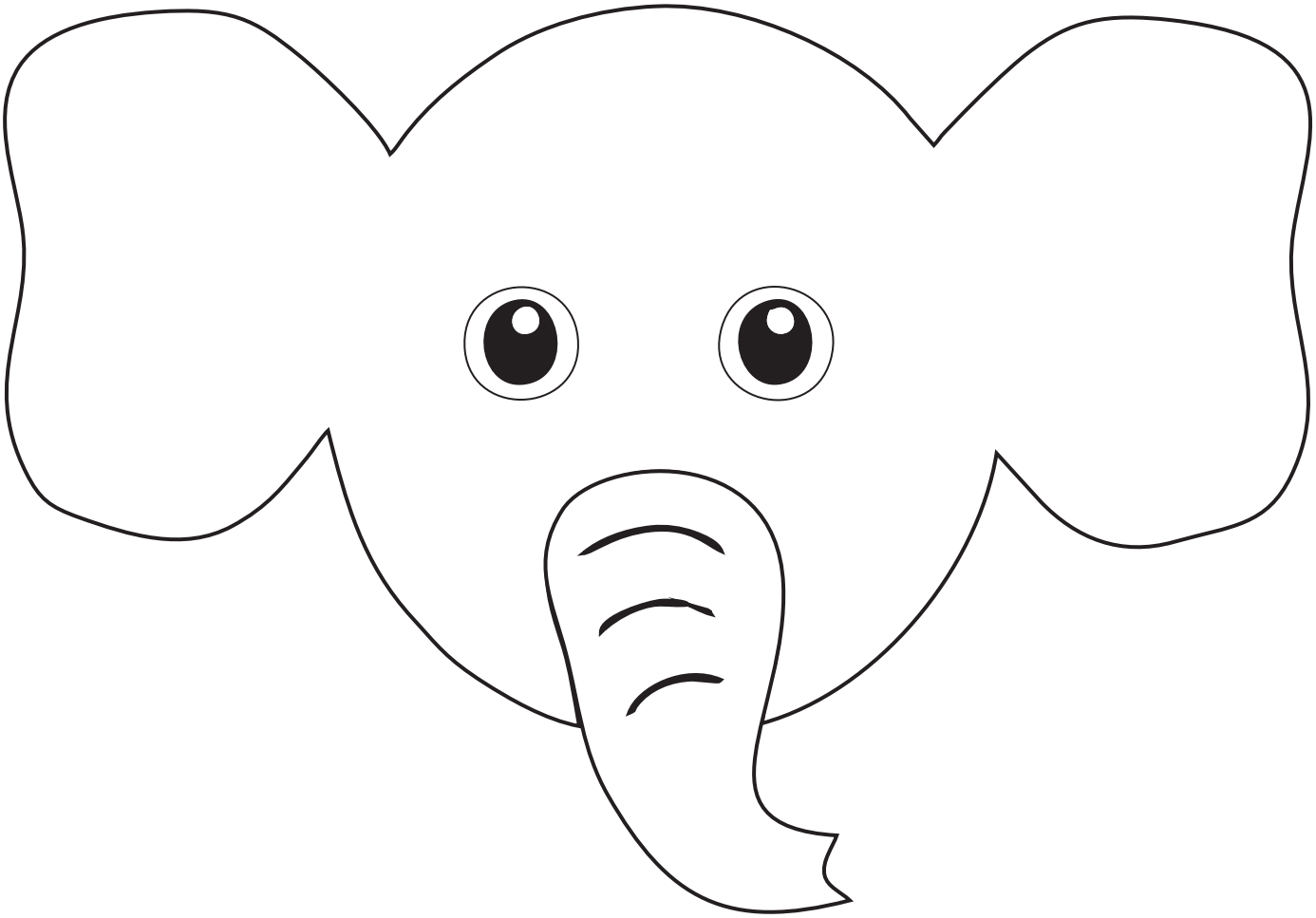

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- इस चित्र पर हल्दी या रोली में बच्चों की अँगुली या रूई के बने गोले से भिगोकर छाप लगवाएँ।

दिनांक : .....

'न' ध्वनि की पहचान

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से 'न' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों के नाम / शब्दों को स्वयं बोल कर अनुकरण करवाएँ।
- बच्चों से 'न' ध्वनि वाले चित्रों पर गोला लगवाएँ।
- बच्चों से 'न' ध्वनि से शुरू होने वाले अन्य शब्द बुलवाएँ।

दिनांक : .....

'न' ध्वनि की पहचान

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

नल

नथ

न

नदी

नमक

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से 'न' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों के नाम / शब्दों को स्वयं बोल कर अनुकरण करवाएँ।
- बच्चों से 'न' ध्वनि से शुरू होने वाले अन्य शब्द बुलवाएँ।

दिनांक : .....

अलग कौन ?

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

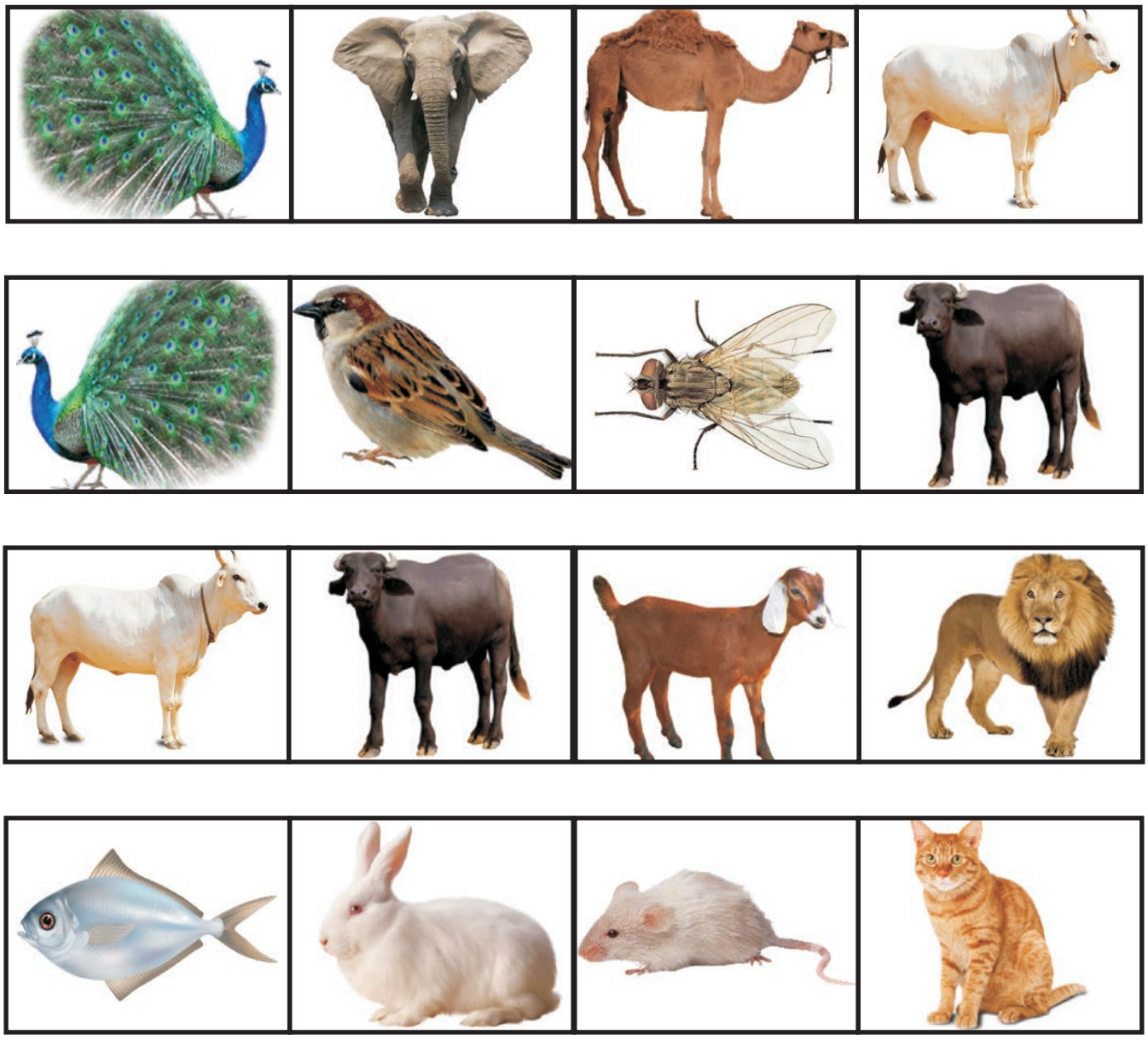

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से स्थानीय भाषा में बात करें।
- प्रत्येक बॉक्स में 4-4 चित्र है। इनमें जो अलग है उस चित्र पर गोला बनवाएँ।
- जब यह काम कर लें तब अलग जीव के पहचान का कारण बताने के लिए बातचीत करें।

'न' वर्ण पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

नल

न

नल नथ वन

धन गगन नज़र

नयन तन नमक

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को 'न' वर्ण की पहचान करवाएँ।
- बच्चों को 'न' वर्ण से शब्द बुलवाएँ।
- बच्चों से 'न' वर्ण पर गोला लगवाएँ।

रंग भरवाना

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : शारीरिक विकास

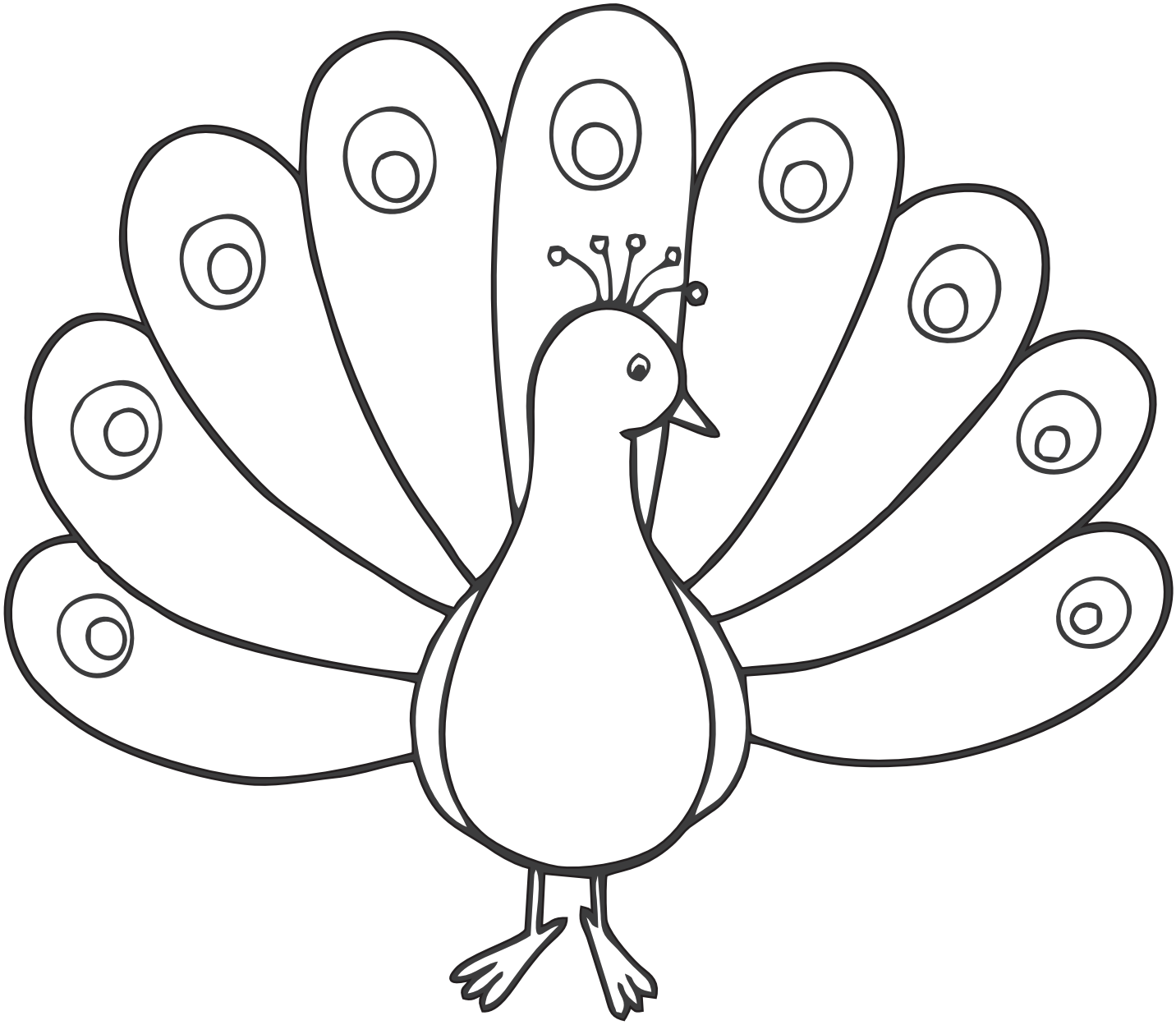

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए मोर के चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से मोर के चित्र में उनकी पसंद का रंग भरवाएँ।

‘न’ वर्ण का लेखन

दिनांक : ....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

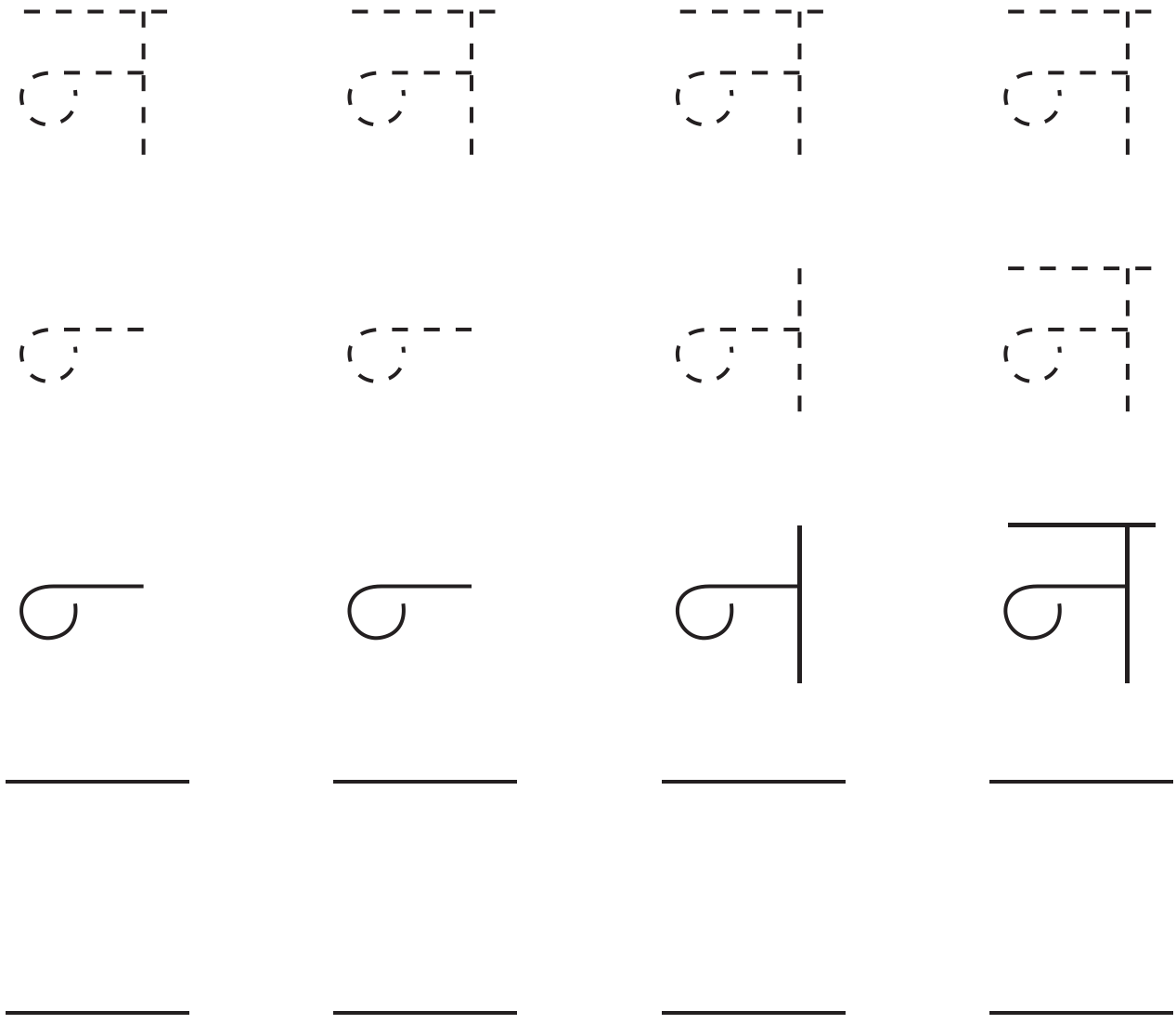

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को ‘न’ वर्ण के बिंदुओं का मिलान करवाएँ।
- बच्चों से ‘न’ वर्ण के मोड़ पर रेखा खिंचवाकर ‘न’ वर्ण लिखना सिखाएँ।
- बच्चों से ‘न’ ध्वनि से शुरू होने वाले अन्य शब्द बुलवाएँ।

दिनांक : .....

फल व सब्जियों की पहचान

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

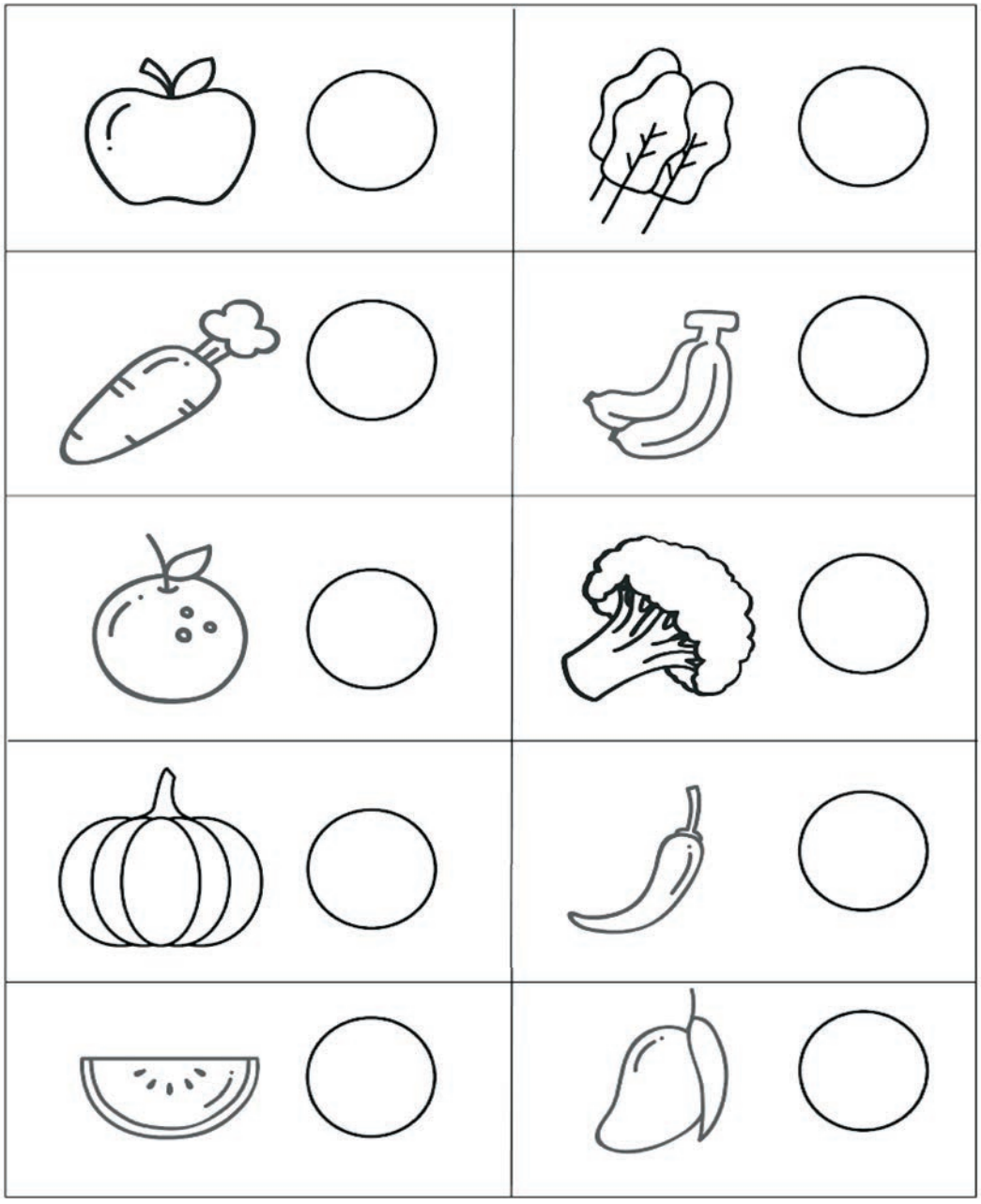

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- कार्यपत्रक में दिए गए फल और सब्जियों पर स्थानीय भाषा में बातचीत करें।
- बच्चों से फल व सब्जियों के नाम बुलवायें।
- बच्चों से फलों के आगे बने गोले में लाल रंग व सब्जियों के आगे बने गोले में हरा रंग भरवाएँ।

आओ नया रंग बनाएँ

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : शारीरिक विकास

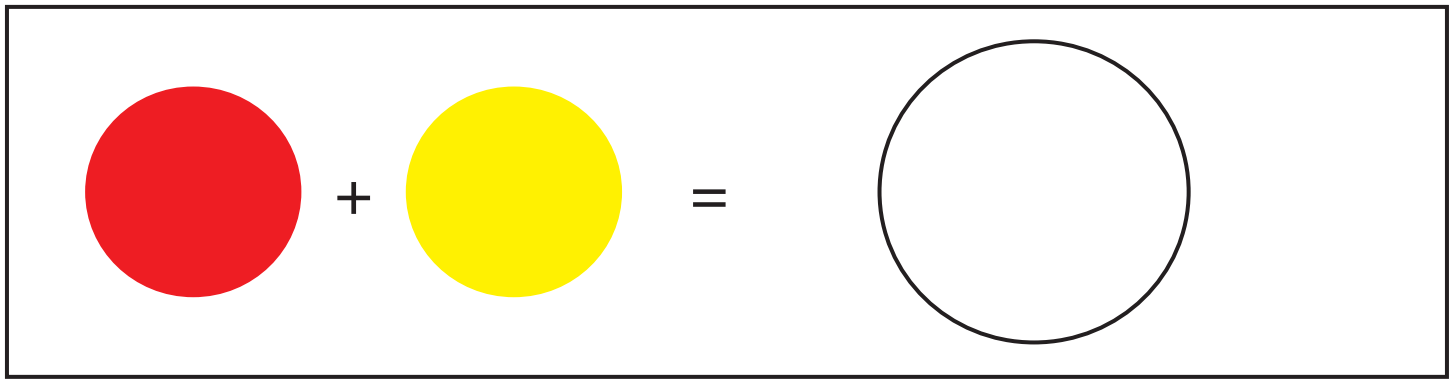

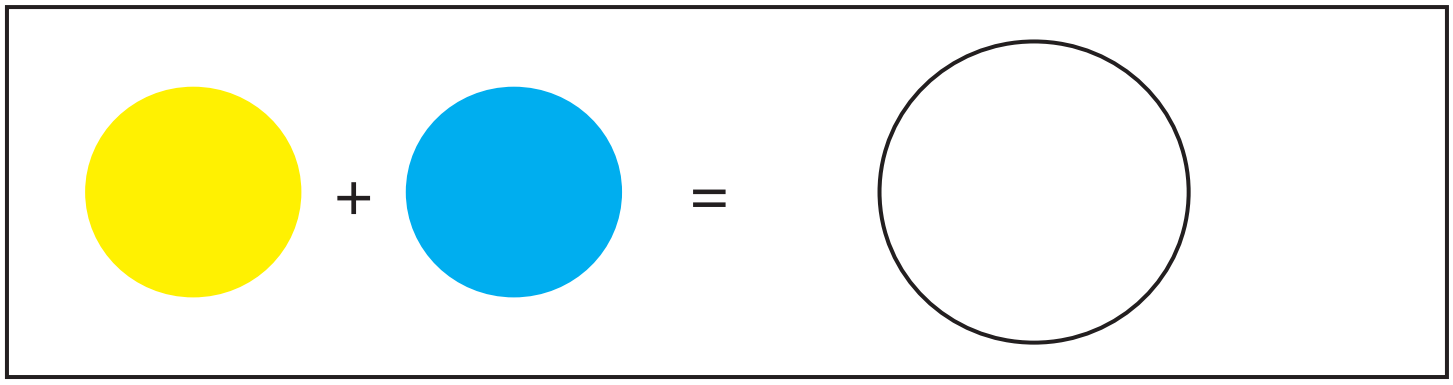

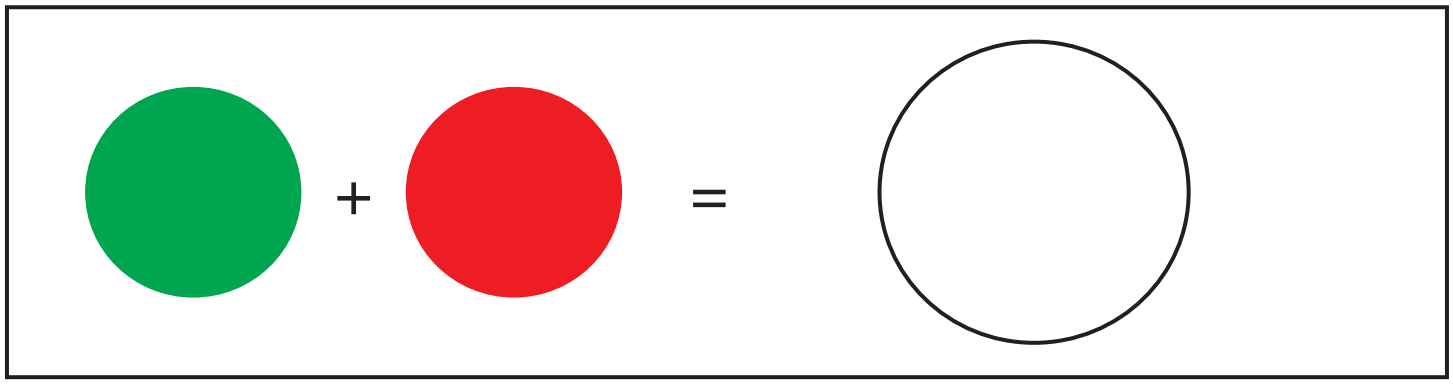

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को यह गतिविधि प्रायोगिक रूप से रंग (वाटर कलर) लेकर करवाएँ।
- सभी बच्चों से प्रायोगिक रूप से अलग – अलग रंगों को मिलाकर नया रंग बनवाएँ।
- बनाए गए नए रंग से सामने के खाली गोले को भरवाएँ।

कविता

लक्ष्य 2 : Effective Communicator
आयाम : भाषा विकास

लाल टमाटर

अहा! टमाटर बड़ा मजेदार
वाह! टमाटर बड़ा मजेदार
एक दिन इसको चूहे ने खाया
बिल्ली को भी मार भगाया।।

अहा! टमाटर बड़ा मजेदार
एक दिन इसको चींटी ने खाया।
हाथी को भी मार भगाया।
अहा! टमाटर बड़ा मजेदार।।
वाह! टमाटर बड़ा मजेदार।।

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता सुनाएँ।
- सभी बच्चों से कविता का दोहरान करवाएँ।
- सभी बच्चों से उनके पसंद की सब्जियों के बारें में बात करें एवं टमाटर के रंग व स्वाद को पूछें।

दिनांक : .....

आकृति पहचान

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

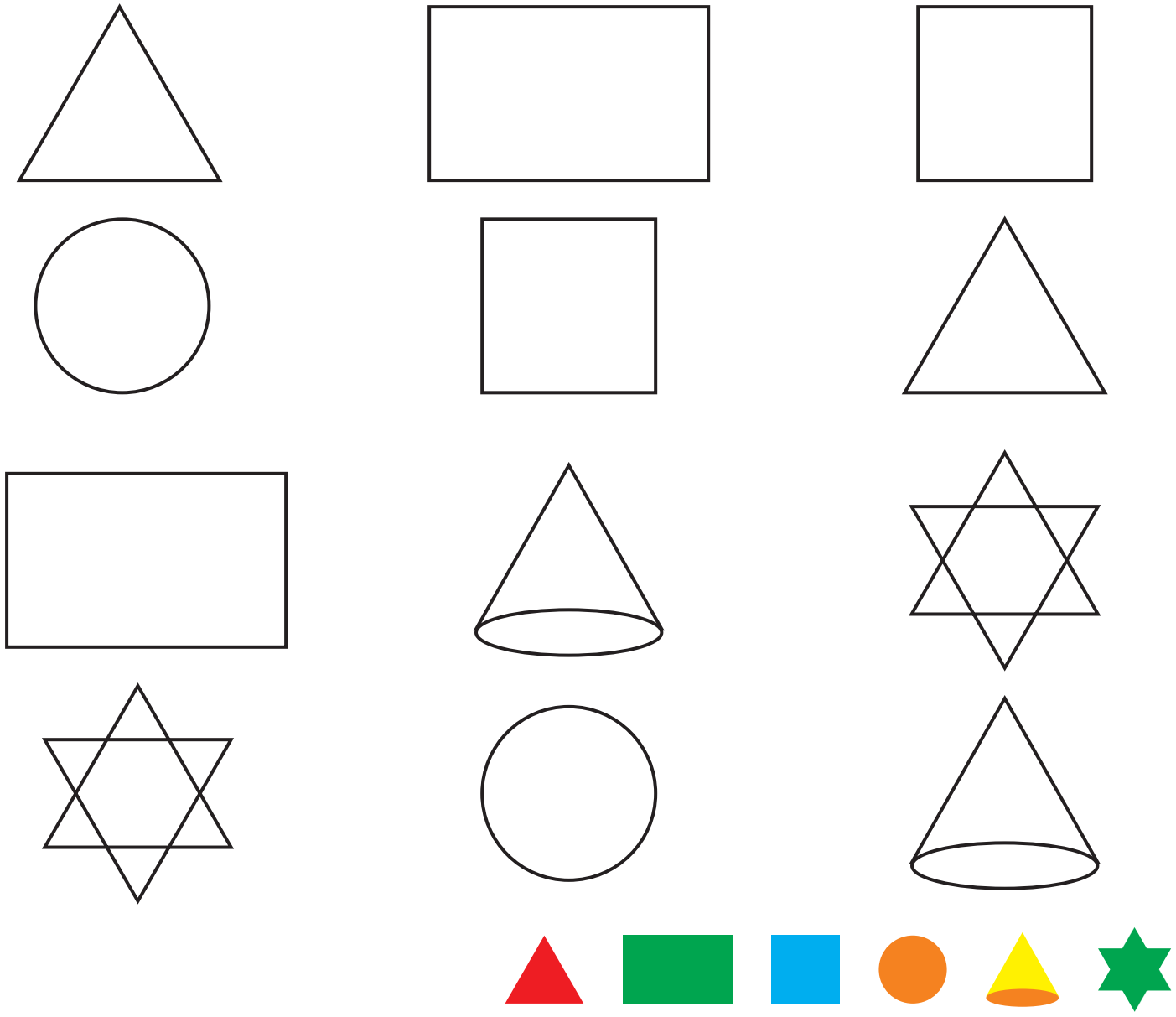

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से स्थानीय भाषा में बात करें।
- सभी बच्चों से आकृति की पहचान कराएँ।
- सभी बच्चों से दी गई आकृति में संकेत के अनुसार रंग भरवाएँ।

'ल' ध्वनि की पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से चित्रों को देखकर उनके नाम पूछें।
- बच्चों से 'ल' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों के नाम / शब्दों को स्वयं बोल कर अनुकरण करवाएँ।
- बच्चों से भिन्न ध्वनि वाले चित्रों पर गोला लगवाएँ।

'ल' ध्वनि की पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

लड्डू

लकड़ी

ल

लहसुन

लड़का

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से 'ल' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों के नाम / शब्दों को स्वयं बोल कर अनुकरण करवाएँ।
- बच्चों से 'ल' ध्वनि से शुरू होने वाले अन्य शब्द बुलवाएँ।

दिनांक : .....

'ल' वर्ण पहचान

लक्ष्य 2 : Effective Communicator
आयाम : भाषा विकास

लड्डू

ल

जल चल हल

नल तेल लाल

फल लट लता

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को 'ल' वर्ण की पहचान करवाएँ।
- बच्चों को 'ल' वर्ण से शब्द बुलवाएँ।
- बच्चों से 'ल' वर्ण पर गोला लगवाएँ।

'ल' वर्ण का लेखन

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

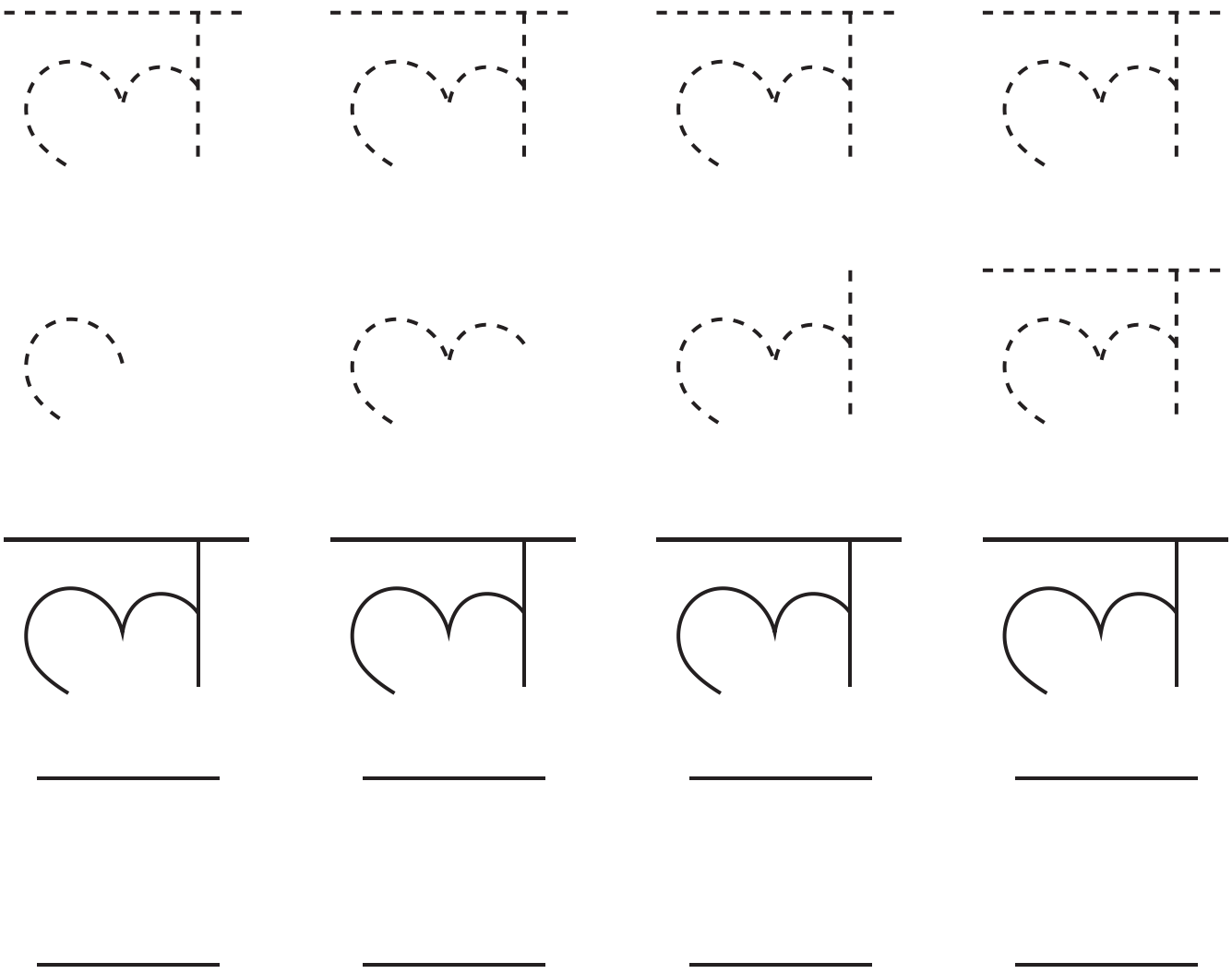

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को 'ल' वर्ण के बिंदुओं का मिलान करवाएँ।
- बच्चों से 'ल' वर्ण के मोड़ पर रेखा खिंचवाकर 'ल' वर्ण लिखना सिखाएँ।
- बच्चों से 'ल' ध्वनि से शुरू होने वाले अन्य शब्द बुलवाएँ।

मेरी पतंग (पेपर फोल्डिंग)

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : शारीरिक विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से कागज की पतंग बनवाएँ व रंग भरवाएँ।
- बच्चों से पतंग पर चर्चा करें कि पतंग कब उड़ाते हैं।

अच्छी आदतें

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : शारीरिक विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से स्वास्थ्य के सही तरीकों पर बातचीत करें।
- अच्छी/गलत आदतों व उनके कारणों पर बात करें।
- बच्चों से स्थानीय भाषा में बात करें।

कविता

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

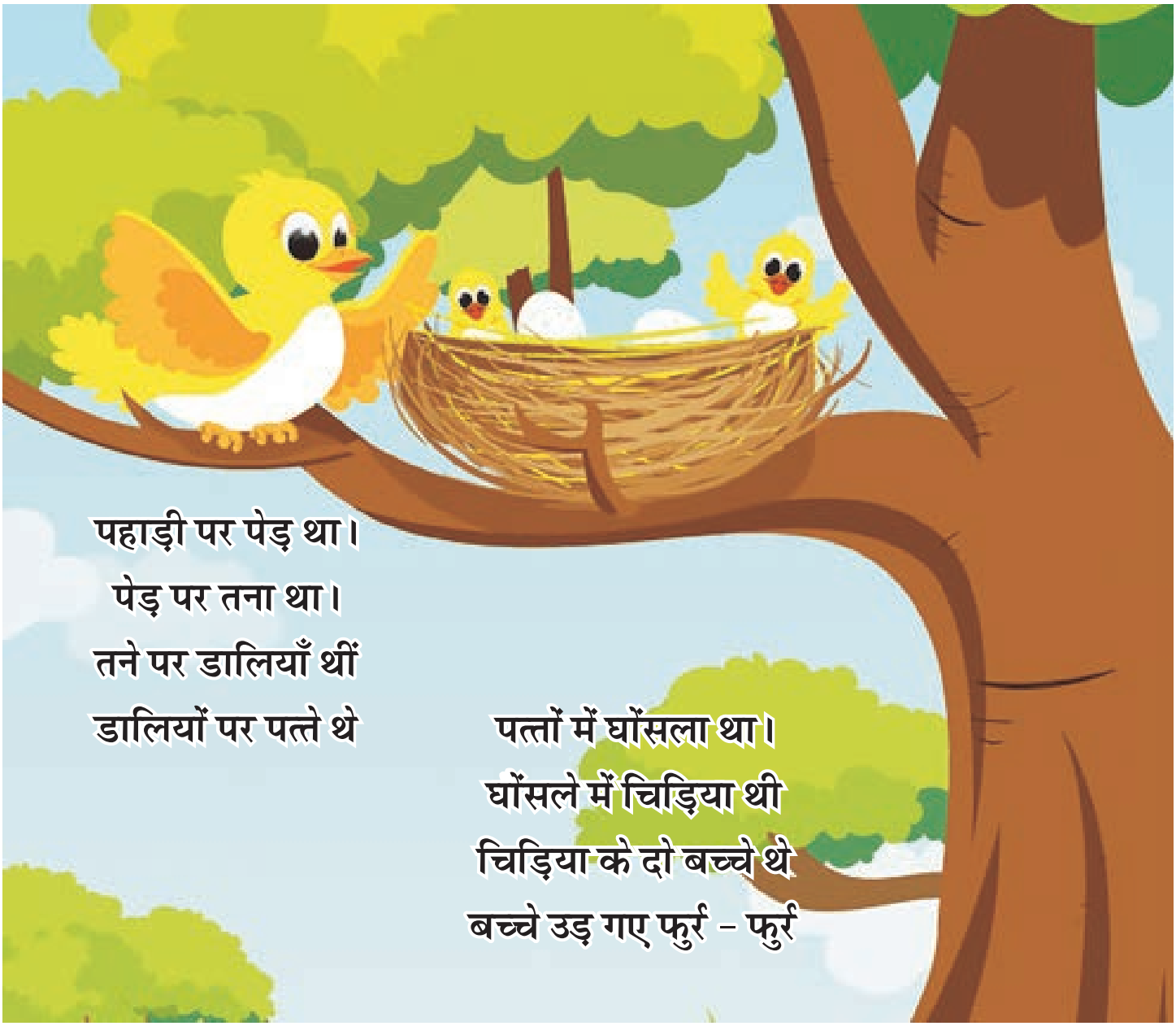

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- शिक्षक हाव-भाव के साथ कविता बुलवाएँ।
- फ्लैश कार्ड में दो चित्र (चिड़िया, पेड़) नाम सहित बनाकर पहचान करवाएँ।
- चिड़िया व पेड़ का चित्र बच्चों से बनवाएँ।

बिंदु मिलान

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

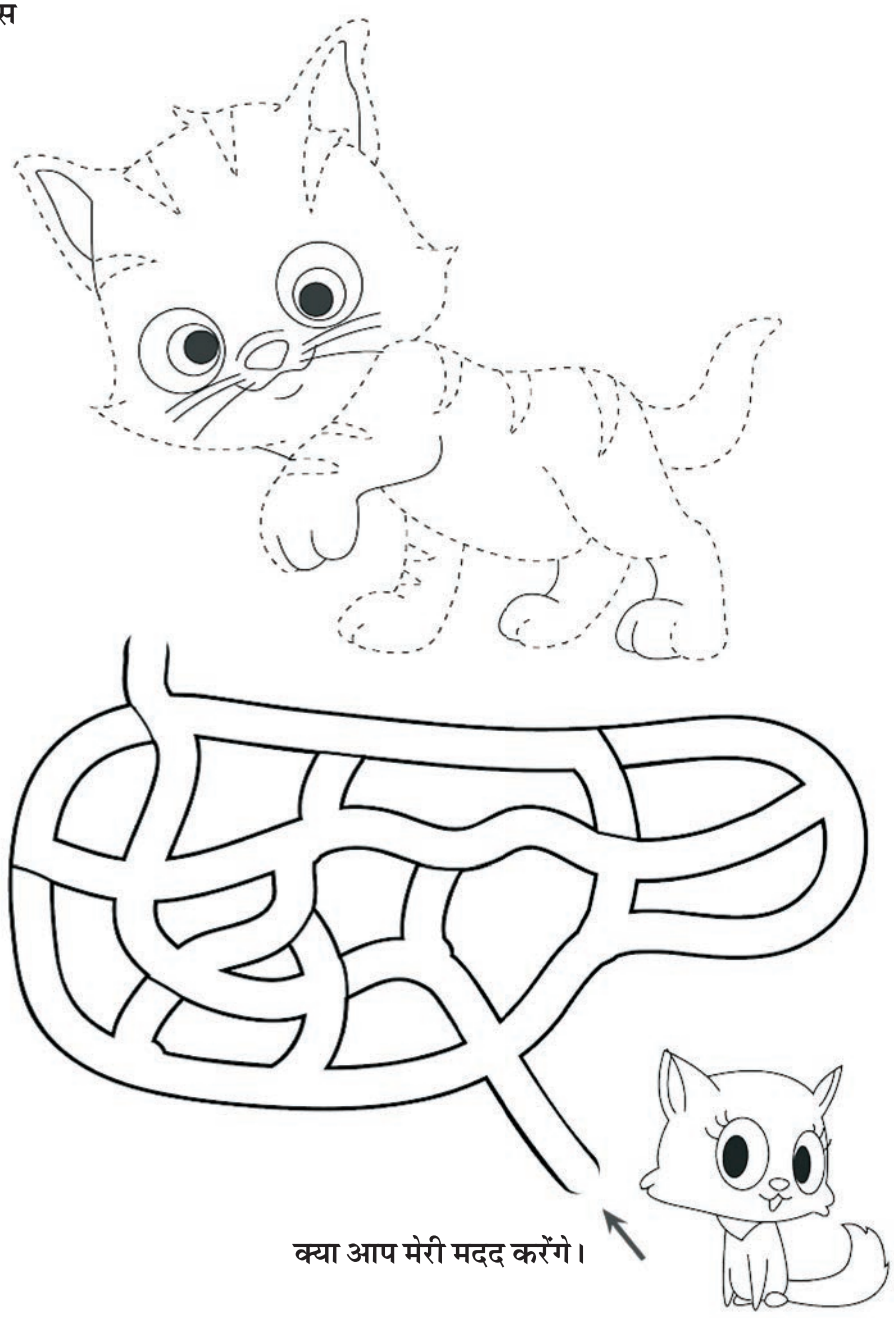

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से बिंदु मिलान करवाते हुए चित्र में बिल्ली के बच्चे को माँ तक पहुँचाने के लिए कहें।
- बच्चों से दिए गए चित्र में रंग भरवाएँ।

'प' ध्वनि की पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

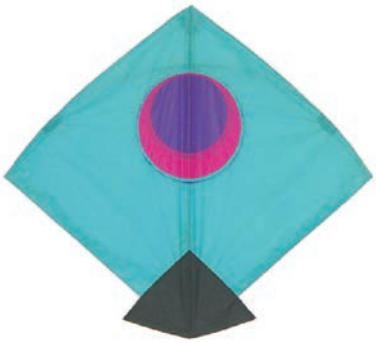

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से चित्रों को देख कर नाम पूछें।
- बच्चों से 'प' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों के नाम / शब्दो को स्वयं बोल कर अनुकरण करवाएँ।
- बच्चों से 'प' ध्वनि से शुरू होने वाले अन्य शब्द बुलवाएँ।

दिनांक : .....

'प' ध्वनि की पहचान

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

मछली

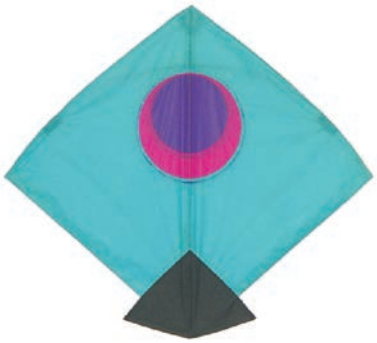

पतंग

परांठा

प

पपीता

पगड़ी

आम

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से 'प' ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों के नाम / शब्दों को स्वयं बोल कर अनुकरण करवाएँ।
- बच्चों से भिन्न ध्वनि वाले चित्रों पर गोला लगवाएँ।
- बच्चों से 'प' ध्वनि से शुरू होने वाले अन्य शब्द बुलवाएँ।

'प' वर्ण पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator
आयाम : भाषा विकास

प

पपीता

पतंग पटाखा पटरी

पहाड़ पकवान पहलवान

पग पलक पगड़ी

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को 'प' वर्ण की पहचान करवाएँ।
- बच्चों को 'प' वर्ण से शब्द बुलवाएँ।
- बच्चों से 'प' वर्ण पर गोला लगवाएँ।

दिनांक : .....

'प' वर्ण का लेखन

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

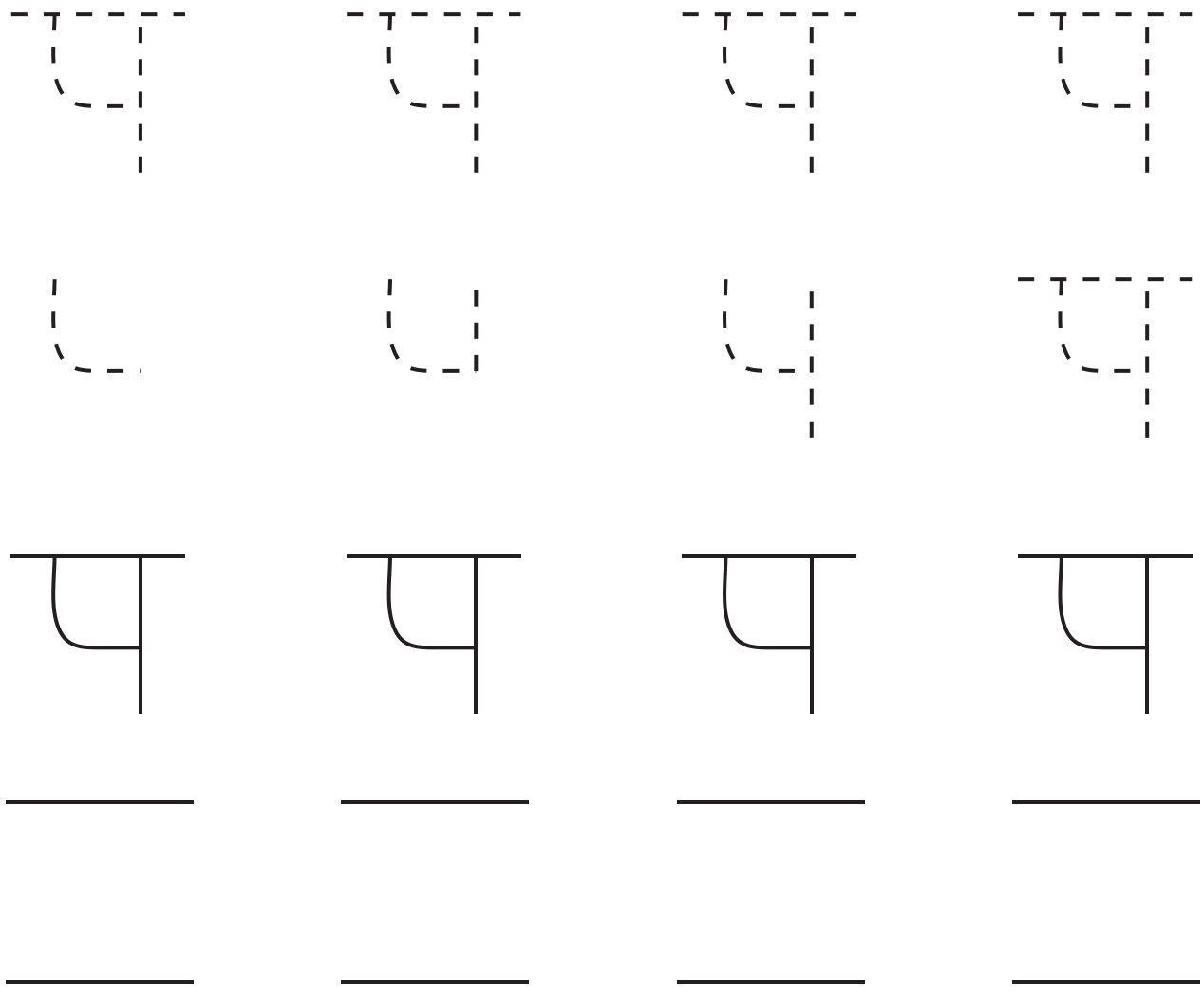

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को 'प' वर्ण के बिंदुओं का मिलान करवाएँ।
- बच्चों से 'प' वर्ण के मोड़ पर रेखा खिंचवाकर 'प' वर्ण लिखना सिखाएँ।
- बच्चों से 'प' ध्वनि से शुरू होने वाले अन्य शब्द बुलवाएँ।

बिंदु मिलान

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well being

आयाम : सामाजिक एवं भावनात्मक विकास

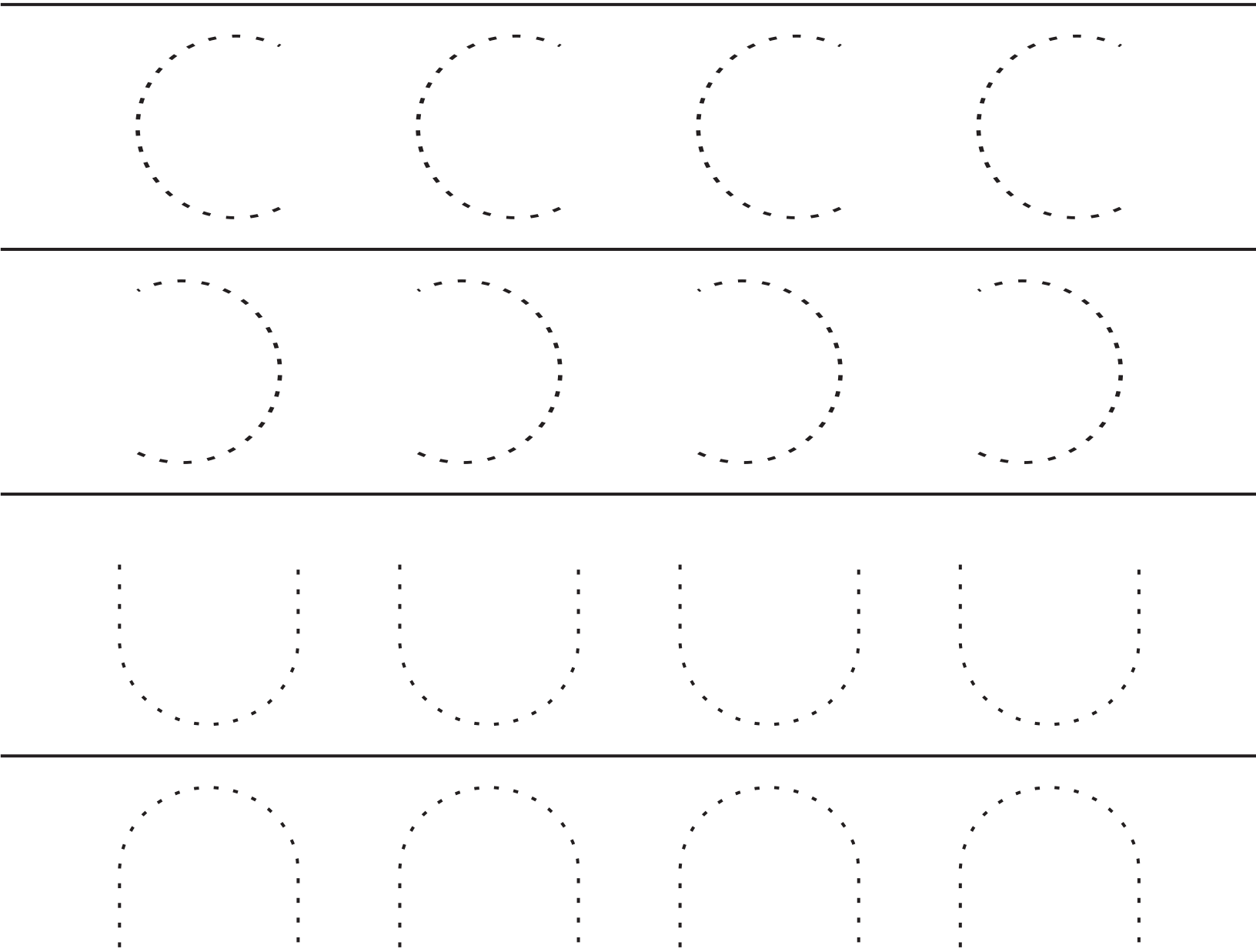

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से बिंदु मिलान करवाते हुए चित्र पूरा करने को कहें।
- बच्चों से इस तरह का कार्य स्लेट / बोर्ड पर अभ्यास के रूप में करवाएँ।

हल्का–भारी

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

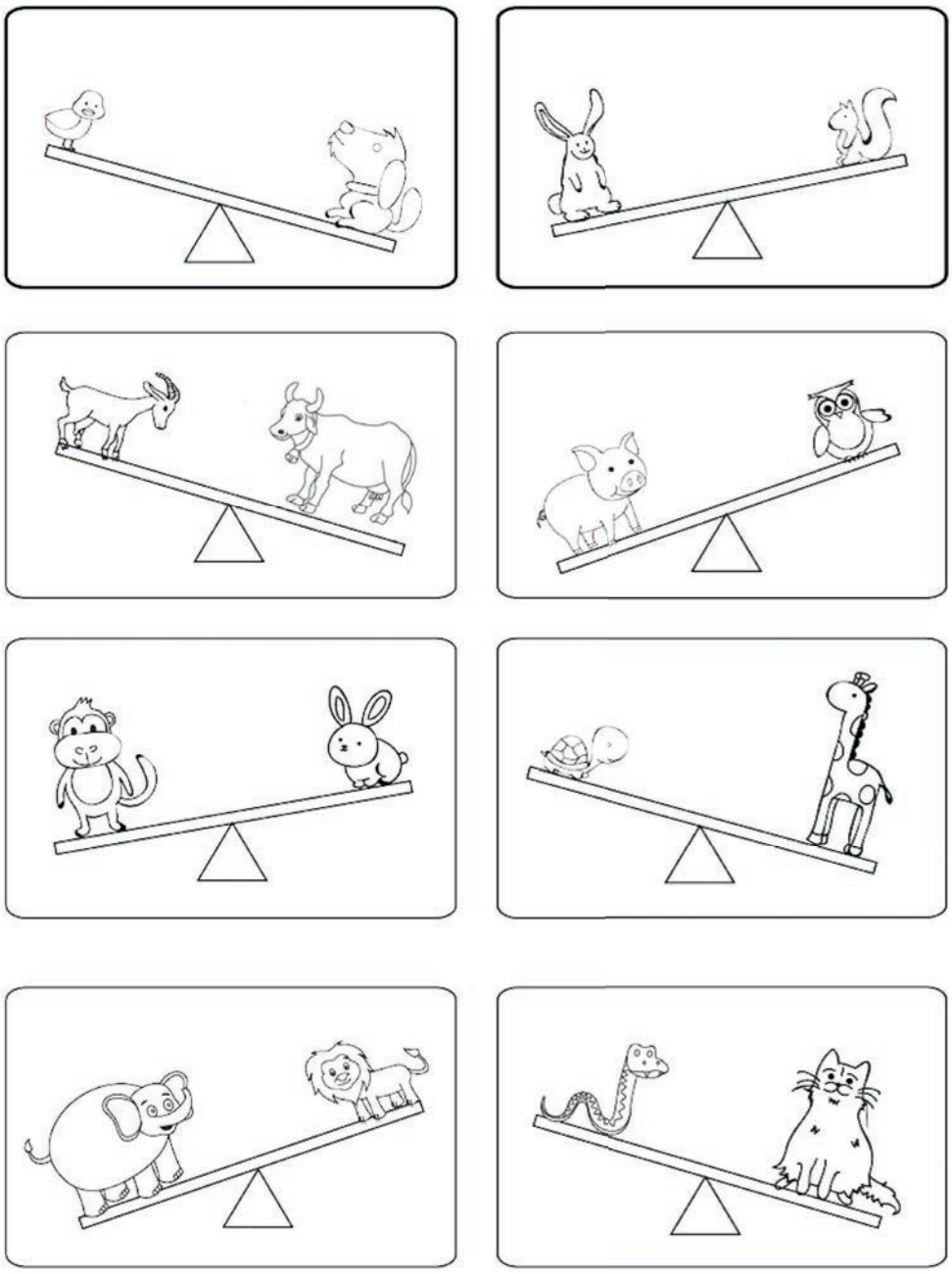

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से कार्यपत्रक में लिए गए चित्रों पर स्थानीय भाषा में बातचीत करें।
- बच्चों से चित्रों को देखकर हल्का व भारी की जानकारी लें।
- बच्चों को 'कौन है हल्का, कौन है भारी कविता' के साथ हल्के व भारी की पहचान करवाएँ

दिनांक : .....

यातायात के नियम

लक्ष्य 1 : Health and Well being

आयाम : सामाजिक एवं भावनात्मक विकास

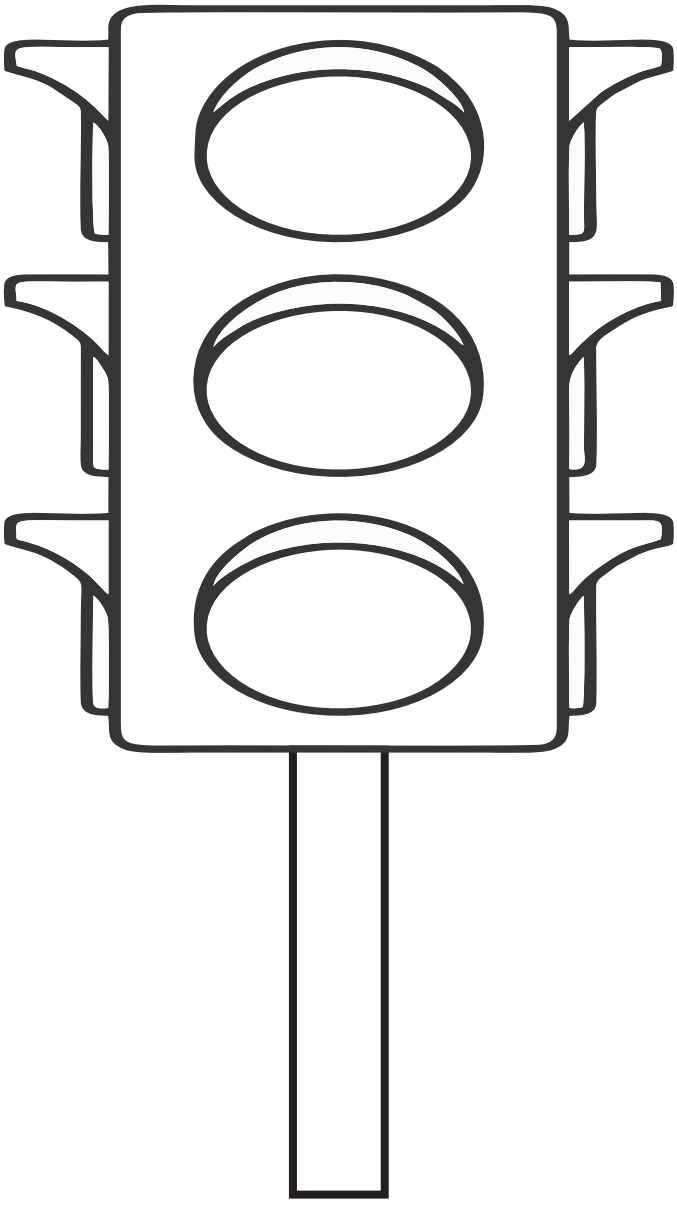

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- ट्रैफिक लाइट व यातायात के नियमों पर बच्चों के साथ बात करें।
- सभी बच्चों से ट्रैफिक लाइट के अनुसार चित्र में रंग भरवाएँ।
- शिक्षक बच्चों से स्थानीय भाषा में बात करें।
- ट्रैफिक नियमों के बारे में भी बातचीत करें।

मिलान करें

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

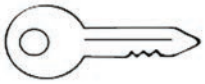

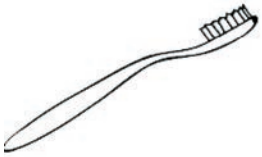

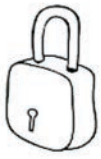

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को एक-दूसरे से संबंधित वस्तुओं का मिलान कराएँ।
- बच्चों से इनके उपयोग के बारे में मातृभाषा में बातचीत करें।

छोटे-बड़े अंक की पहचान

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

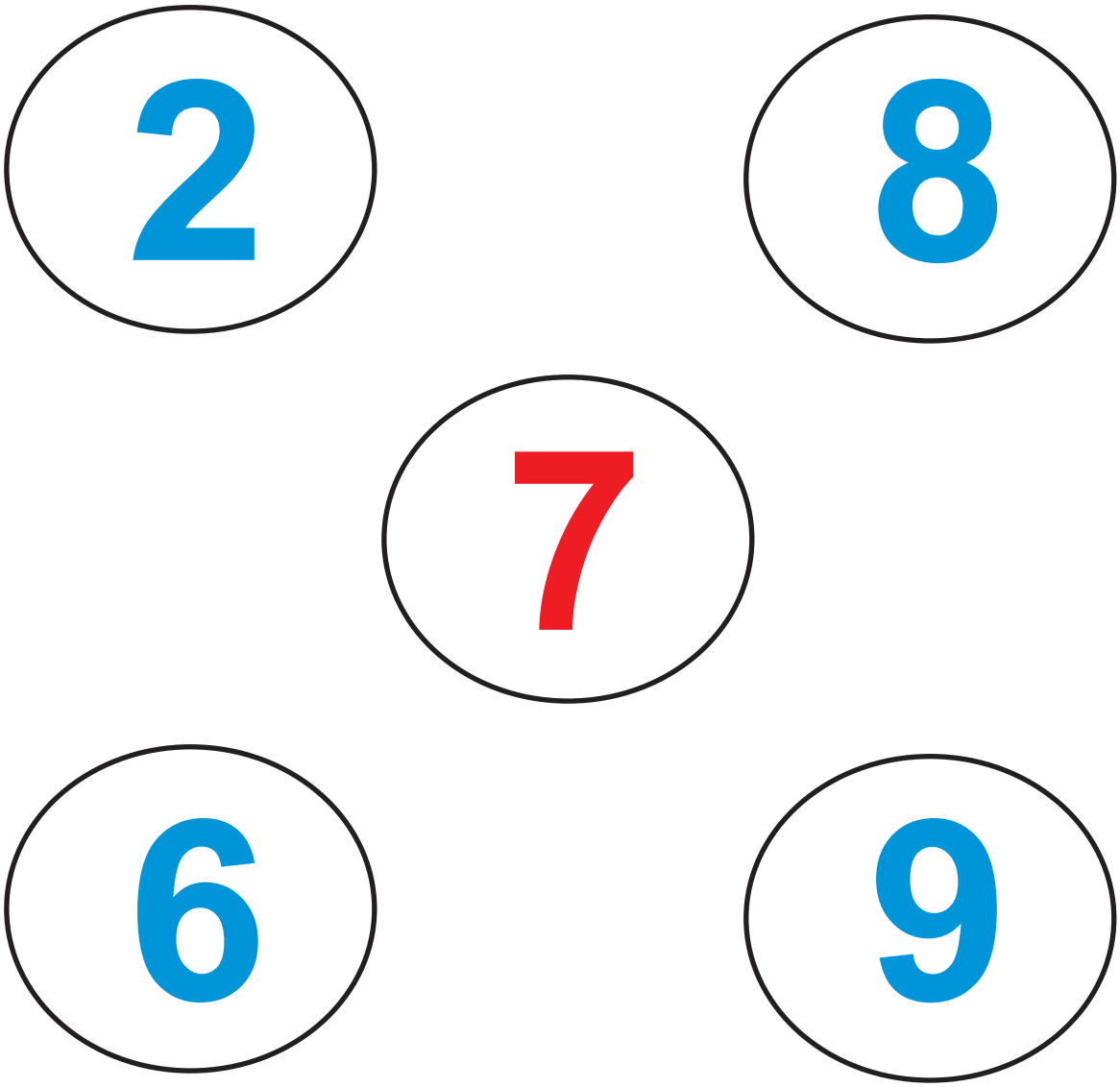

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- शिक्षक बच्चों से दिए अंकों की पहचान करवाएँ।
- बच्चों को मध्य में दिए गए अंक से बड़े अंक में हरा के गोले एवं छोटे अंकों के गोले में लाल रंग भरवाएँ।
- शिक्षक बच्चों से संबंधित अंकों के ऊपर समान संख्या में कंकड़ या बीज रखवाने का कार्य कराएँ।

सबसे छोटा कौन
सबसे बड़ा कौन

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

2	5	4	1 ✓
6	3	5	7
8	2	4	9
9	10	2	4
5	6	8	2

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से स्थानीय भाषा में बात करें।
- शिक्षक सभी बच्चों से प्रत्येक लाइन में दी गई संख्या पर बात करें। जैसे : 2, 5, 4, 1, में से सबसे छोटी संख्या कौनसी है ?
- सभी बच्चों से प्रत्येक लाइन में सबसें छोटी संख्या पर सही (✓) का चिह्न लगवाएँ व बड़ी संख्या पर गोला लगाएँ।

ऊपर–नीचे

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

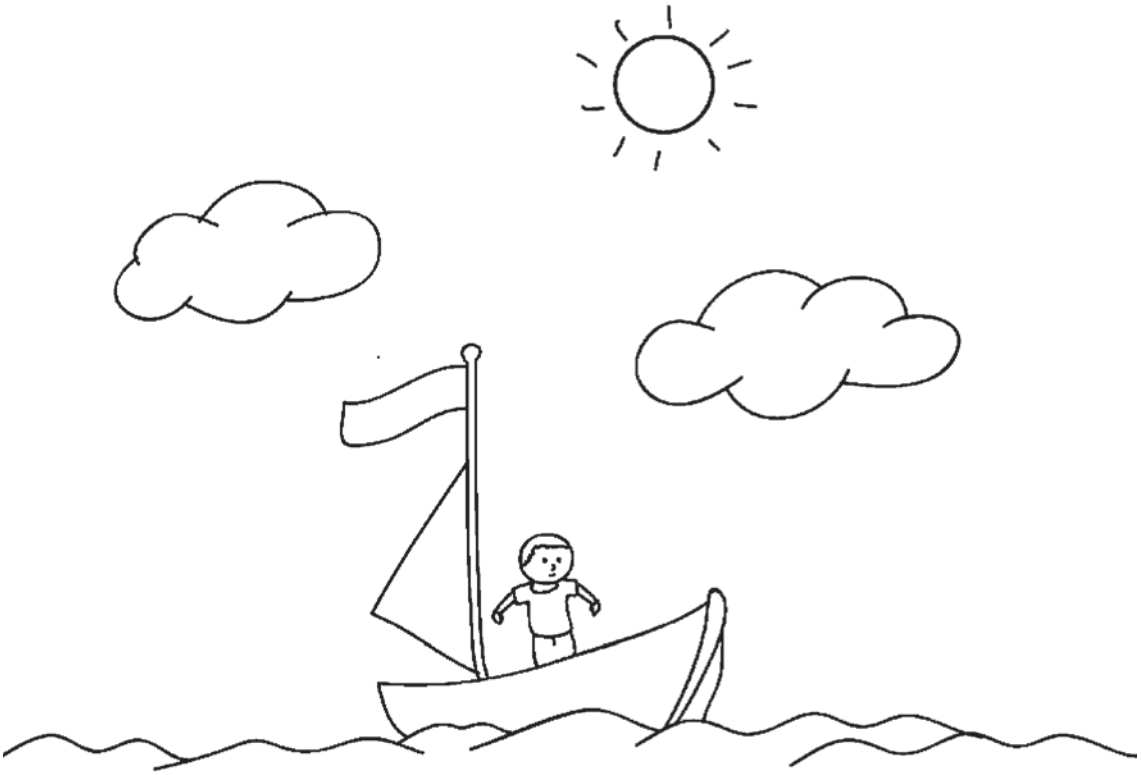

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चे से नाव के ऊपर पाँच पक्षी और नाव से नीचे तीन मछलियाँ तथा पानी पर दो बतख बनवाएँ।
- बच्चे से पूरे चित्र में रंग भी भरवाएँ।
- बच्चों से ऊपर–नीचे के बारे में बातचीत करें जैसे - नाव किसके ऊपर है, लड़के के नीचे क्या है आदि।

आगे-पीछे

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

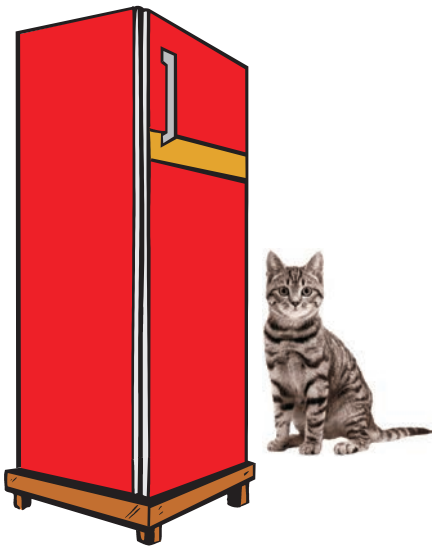

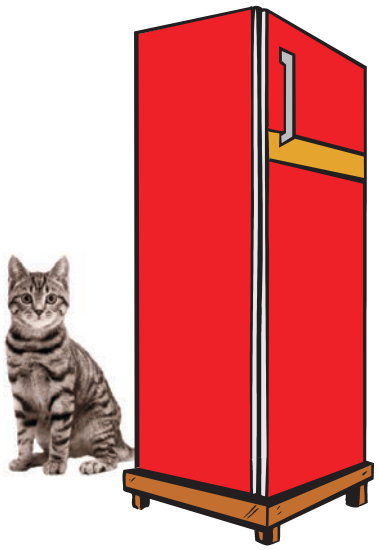

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से बात-चीत कर आगे-पीछे की समझ विकसित करवाएँ। जैसे - कुर्सी के आगे क्या है, बिल्ली के पीछे क्या है आदि।

बड़ा-छोटा

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

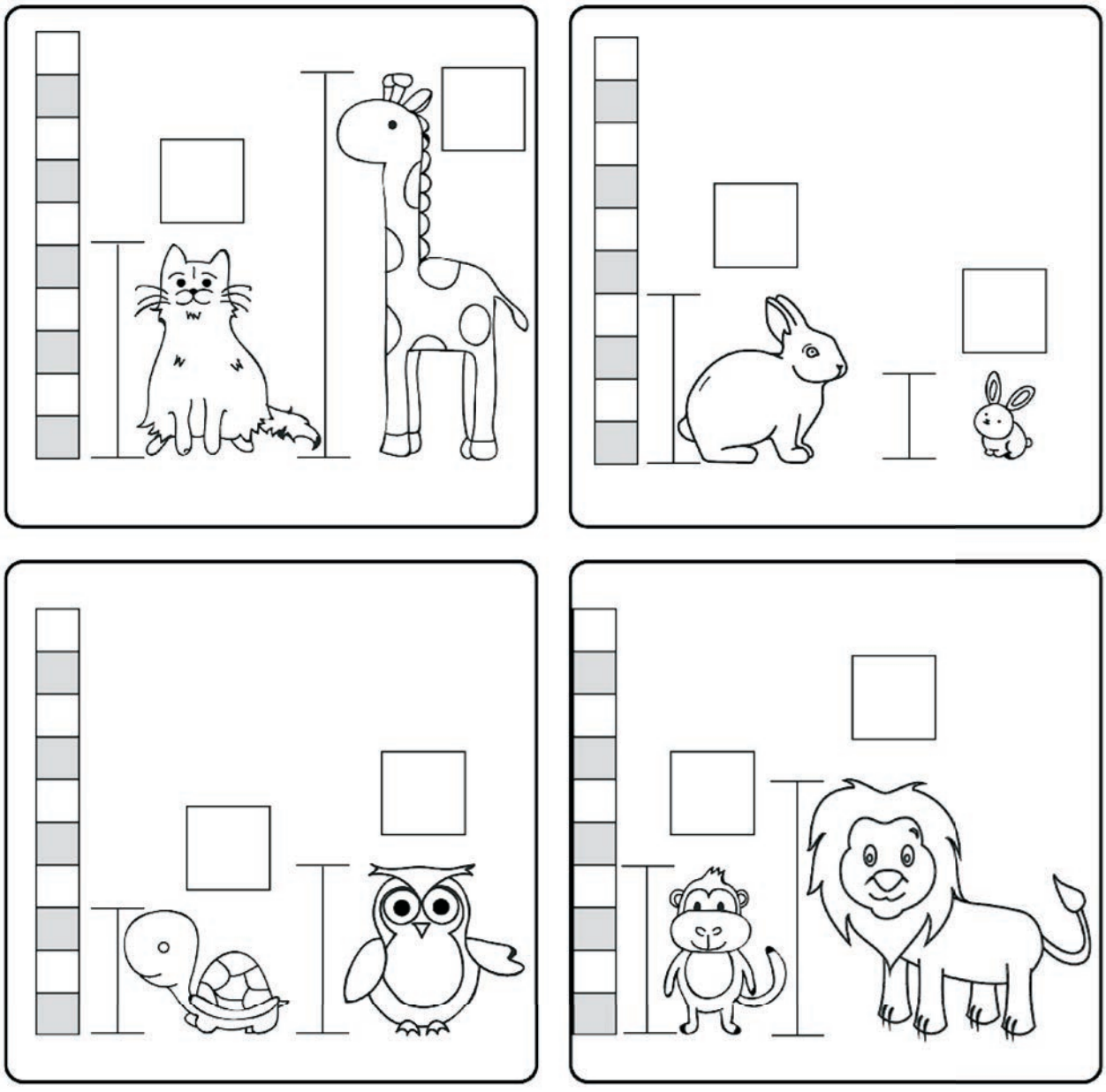

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दी गई कार्यपत्रक पर बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से छोटे-बड़े की पहचान व समझ विकसित करवाएँ।

कविता

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator
आयाम : भाषा विकास

त्योहार

''हँसते-हँसते आया सावन,
आओ मनाएँ रक्षाबंधन,
कार्तिक में सज रही दिवाली,
खीर पताशे भर-भर थाली।
आया फागुन होली आयी,
रंगों की बौछारें लाई''

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता सुनाएँ।
- सभी बच्चों से कविता से सम्बन्धित छोटे - छोटे प्रश्न पूछें, जैसे- दिवाली पर आप लोग क्या क्या करते हैं ?, आपके राखी कौन बाँधता है ? होली कैसे खेलते हैं ? कविता में आए सभी त्योहारों का नाम पूछें।

कृपया केला लाने में मेरी मदद करें

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

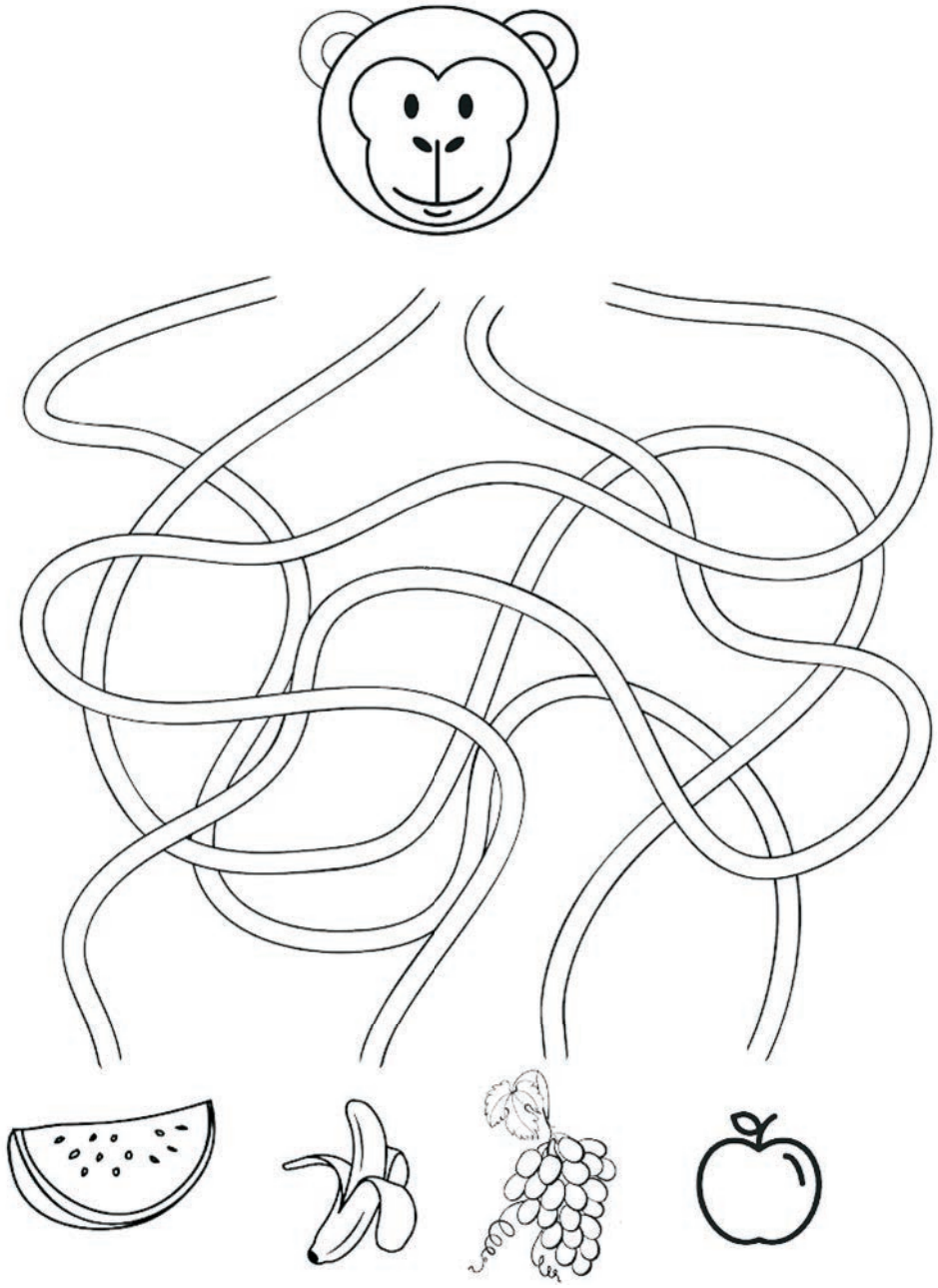

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से इस गतिविधि पर चर्चा करें।
- बच्चों को बताएँ कि बन्दर को बारी-बारी से फल खिलाओ।
- बच्चे बन्दर को फल तक पहुँचाएँ।

चित्र पठन

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से चित्रों पर बात करें।
- बच्चों से अपनी पसंद के किसी भी एक चित्र पर बोलने को कहें। जहाँ बच्चा झिझकता है या बोल नहीं पाता, वहाँ शिक्षक उसे बोलने में सहायता करेंगे एवं प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों से स्थानीय भाषा में बात करें।

चित्र पूर्ण कर रंग भरें

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : शारीरिक विकास

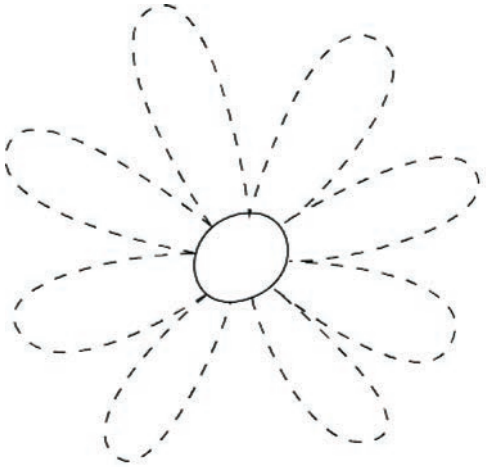

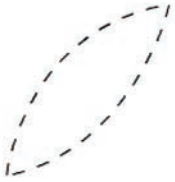

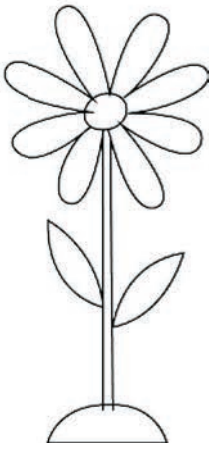

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को चित्र पूर्ण करवाने के पश्चात रंग भरवाएँ।
- बच्चों से फूल व पत्ती के रंग पर भी बात करें।

बिंदु मिलान

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : शारीरिक विकास

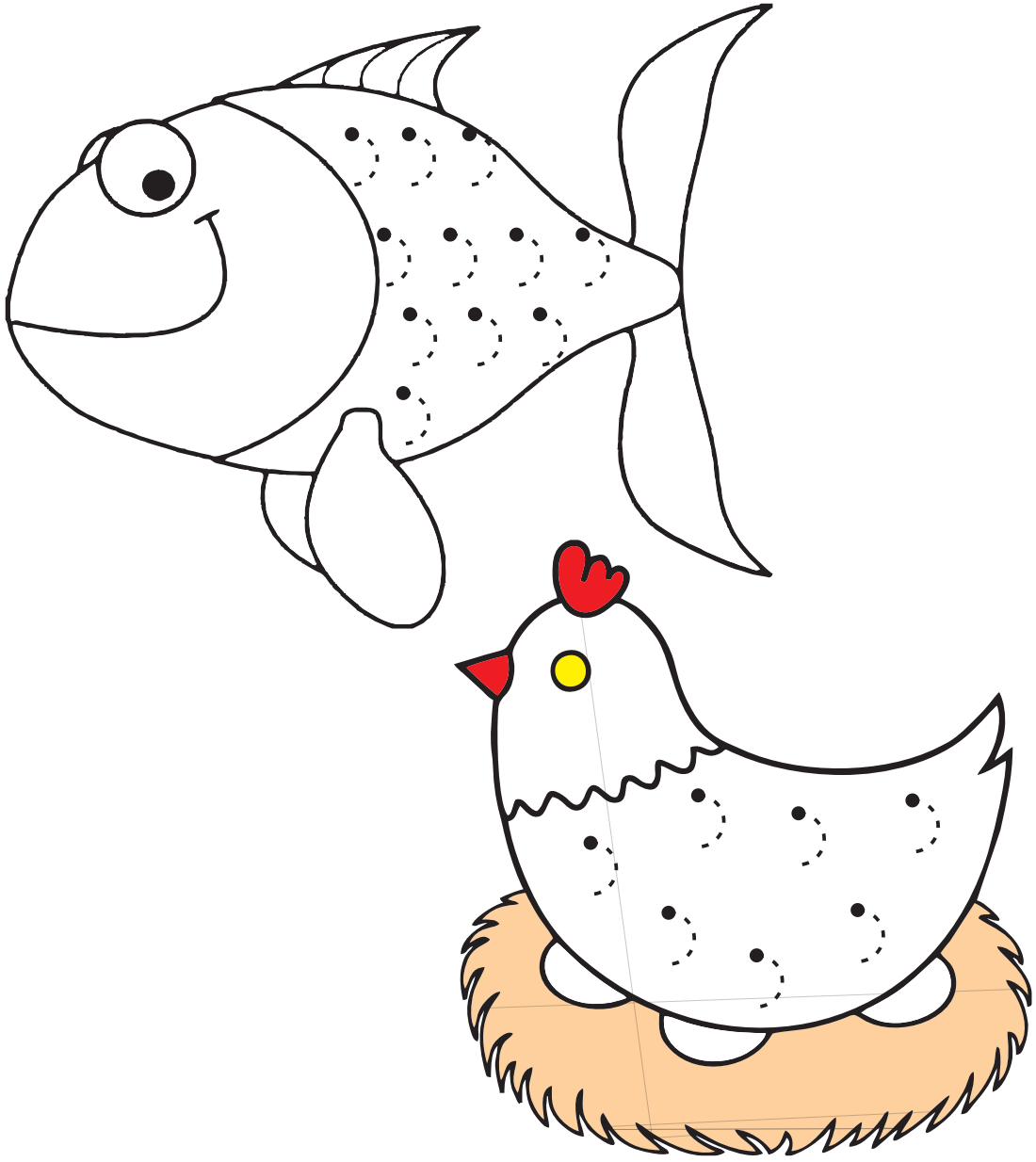

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से बिंदु मिलान करवाते हुए चित्र पूरा करने को कहें एवं चित्र में रंग भरवाएँ।

मिलान करें

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

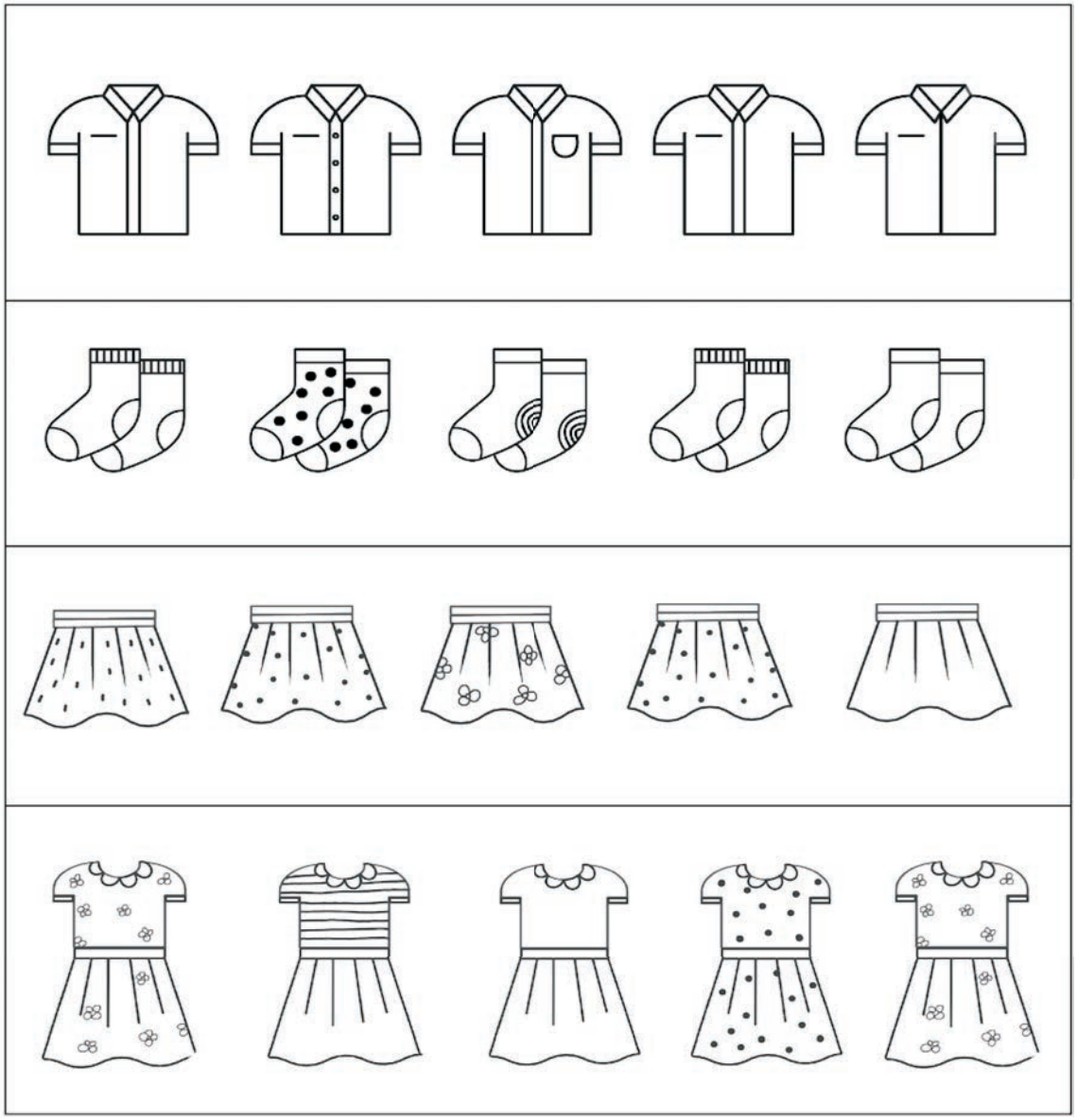

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- दिए गए कार्यपत्रक पर बच्चे से वस्त्रों के बारे में स्थानीय भाषा में बातचीत करें।
- दिए गए समूह में से समान चित्र में रंग भरवाएँ।

दिनांक : .....

कोलाज कार्य

लक्ष्य 1 : Health and Well being

आयाम : सामाजिक एवं भावनात्मक विकास

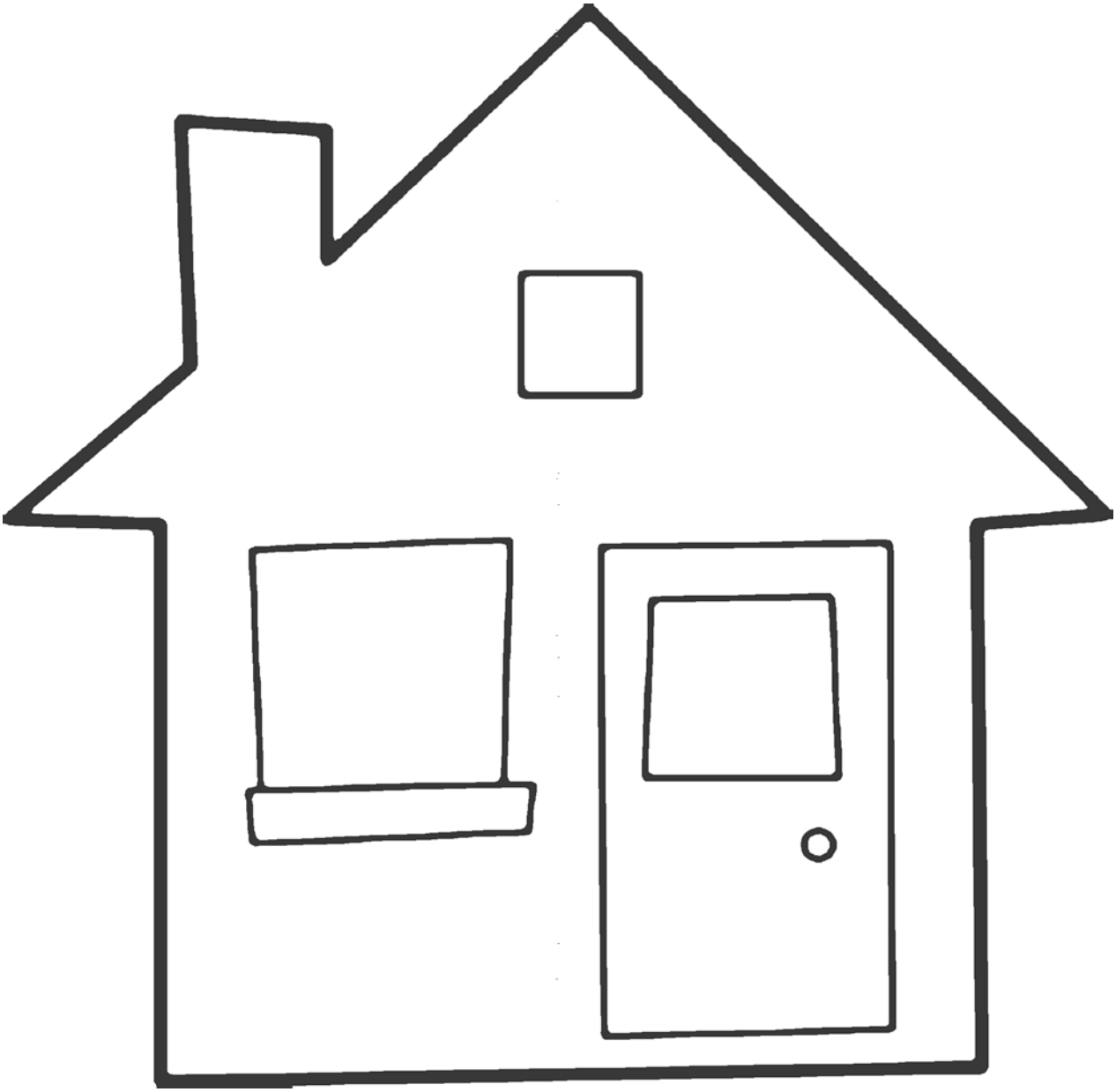

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से घर के चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- यह कार्यपत्रक बच्चों को घर ले जाने के लिए दे तथा यह निर्देश दें कि इस शीट पर घर से छोटे-छोटे तिनकें चिपका कर लाएँ।

Rolly Polly

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator
आयाम : भाषा विकास

Rolly - Polly, Rolly - Polly
up, up, up

Rolly - Polly, Rolly - Polly
dance, dance, dance

Rolly - Polly, Rolly - Polly
walk, walk, walk

Rolly - Polly, Rolly - Polly
jump, jump, jump

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को हाव-भाव एवं गतिविधि के साथ कविता सुनाएँ।
- सभी बच्चों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- शिक्षक रॉली-पॉली जैसे अन्य तुकान्त शब्द मातृभाषा में या हिंदी भाषा में सुनाने को कहें।

पौधे के बढ़ने का क्रम

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को पेड़/पौधों के बढ़ने के क्रम पर चर्चा करें।
- इसी प्रकार समयानुसार घटित होने वाली अन्य घटनाओं के क्रम पर भी बातचीत करें।
- प्रत्येक बच्चे को उनके घर पर भी उनकी पसन्द का पौधा लगाने व देखभाल करने को कहें।

बिंदु मिलान

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well being

आयाम : सामाजिक एवं भावनात्मक विकास

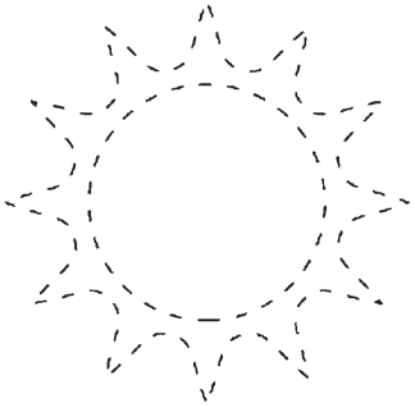

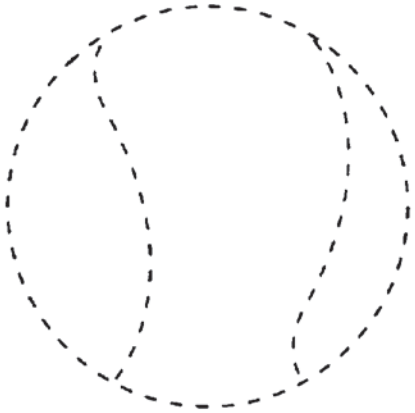

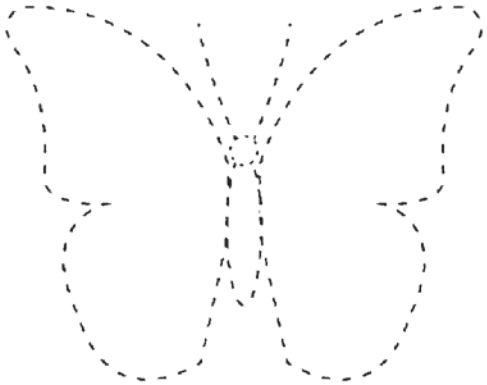

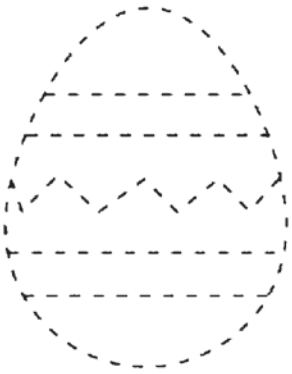

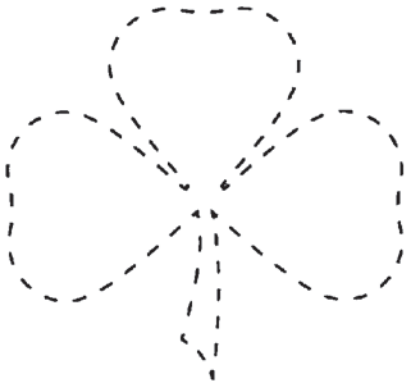

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों के वर्कशीट में दिए गए बिंदुओं का मिलान कर चित्र पूरा करें।
- इस तरह का अभ्यास कार्य स्लेट / बोर्ड पर भी करवाएँ।

बिंदु मिलान

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से **D** Letter से शुरू होने वाले शब्दों के चित्रों के बारे में बताएँ और गोला करने को कहें।
- बच्चों से **D** Letter में रंग भरवाएँ।

दिनांक : .....

नंबर ट्रेस करें और लिखें

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

	1	1	1	1	1
	2	2			
	3	3			
	4	4			
	5	5			
	6	6			
	7	7			
	8	8			
	9	9			
	10	10			

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को चित्र गिनकर उनके अंकों से अवगत कराएँ।
- शिक्षक बच्चों से उदाहरण को देखते हुए 1 से 10 तक की गिनती को बिन्दु से मिलान करते हुए लिखवाएँ।

छाप लगाना

दिनांक : .....

लक्ष्य 1 : Health and Well Being

आयाम : शारीरिक विकास

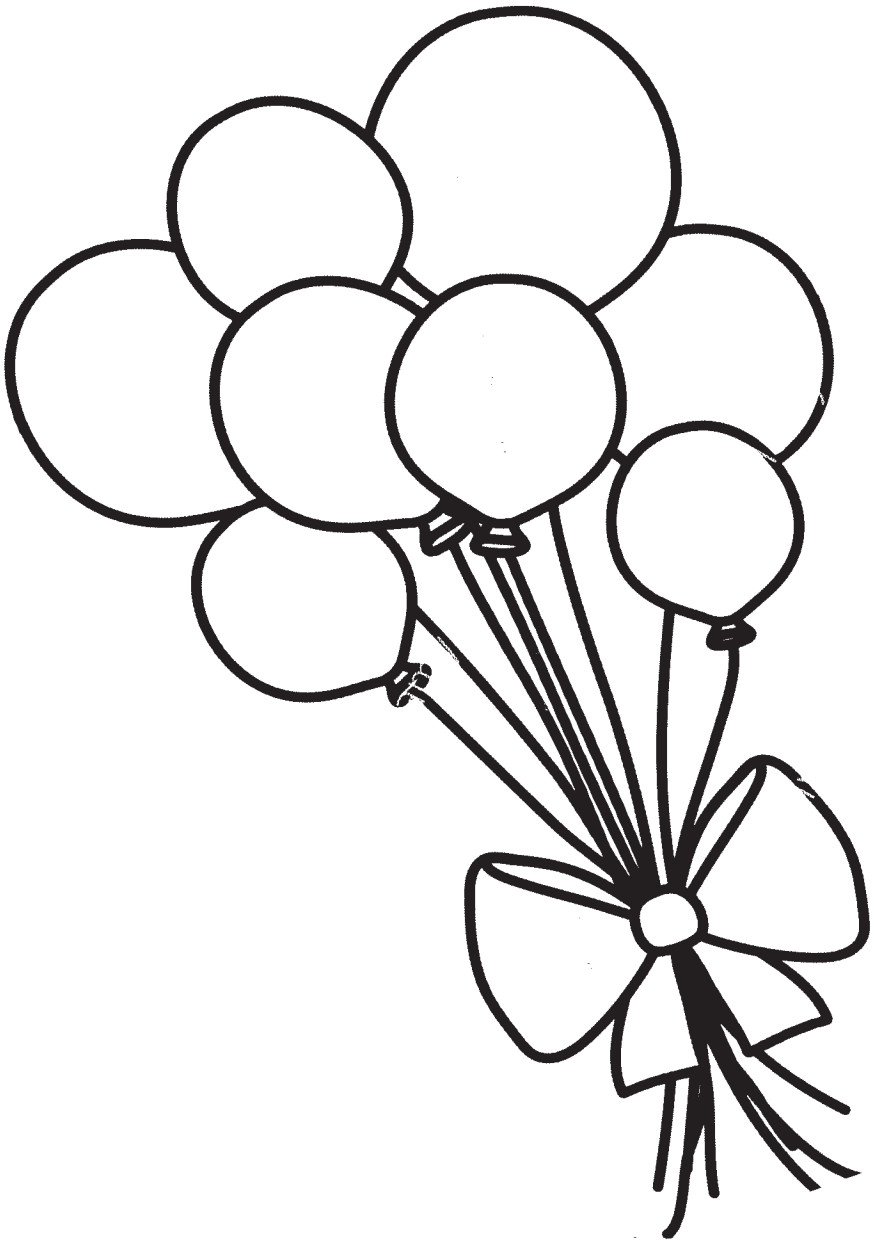

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से कार्यपत्रक पर दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से गुब्बारे के चित्र में अंगुली की छाप लगावें।

दिनांक : .....

पहचानें और पूरा करें

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

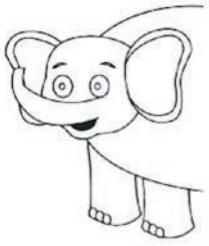

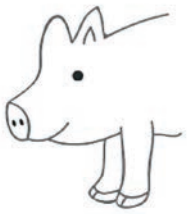

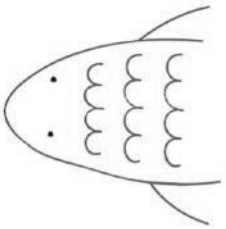

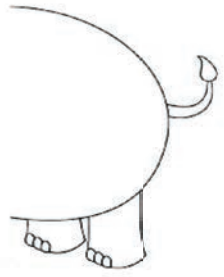

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से कार्यपत्रक में दिए चित्रों पर स्थानीय भाषा में बात करें एवं उनके शेष आकार की पहचान करवाएँ।
- बच्चों से उनके आधे आकार का मिलान करवाते हुए उनका नाम पूछें।

Two Little Hands

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator
आयाम : भाषा विकास

Two little hands go
Clap, Clap, Clap

Two little feet
tap, tap, tap

Two little eyes
are open wide

One little head goes
side to side

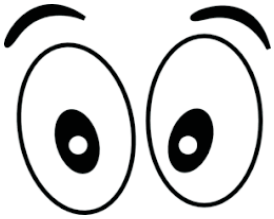

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता सुनाएँ।
- सभी बच्चों से बात करें कि दाएँ और बाएँ क्या होता है ?
- बच्चों को कविता में आए शरीर के अंगों का अंग्रेजी नाम से परिचय कराएँ।

बिंदु मिलान

दिनांक : .....

लक्ष्य 2 : Effective Communicator

आयाम : भाषा विकास

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से **S** Letter से शुरू होने वाले शब्दों के चित्रों के बारे में बताएँ और गोला करने को कहें।
- बच्चों से **S** Letter में रंग भरवाएँ।

पैटर्न मिलान

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

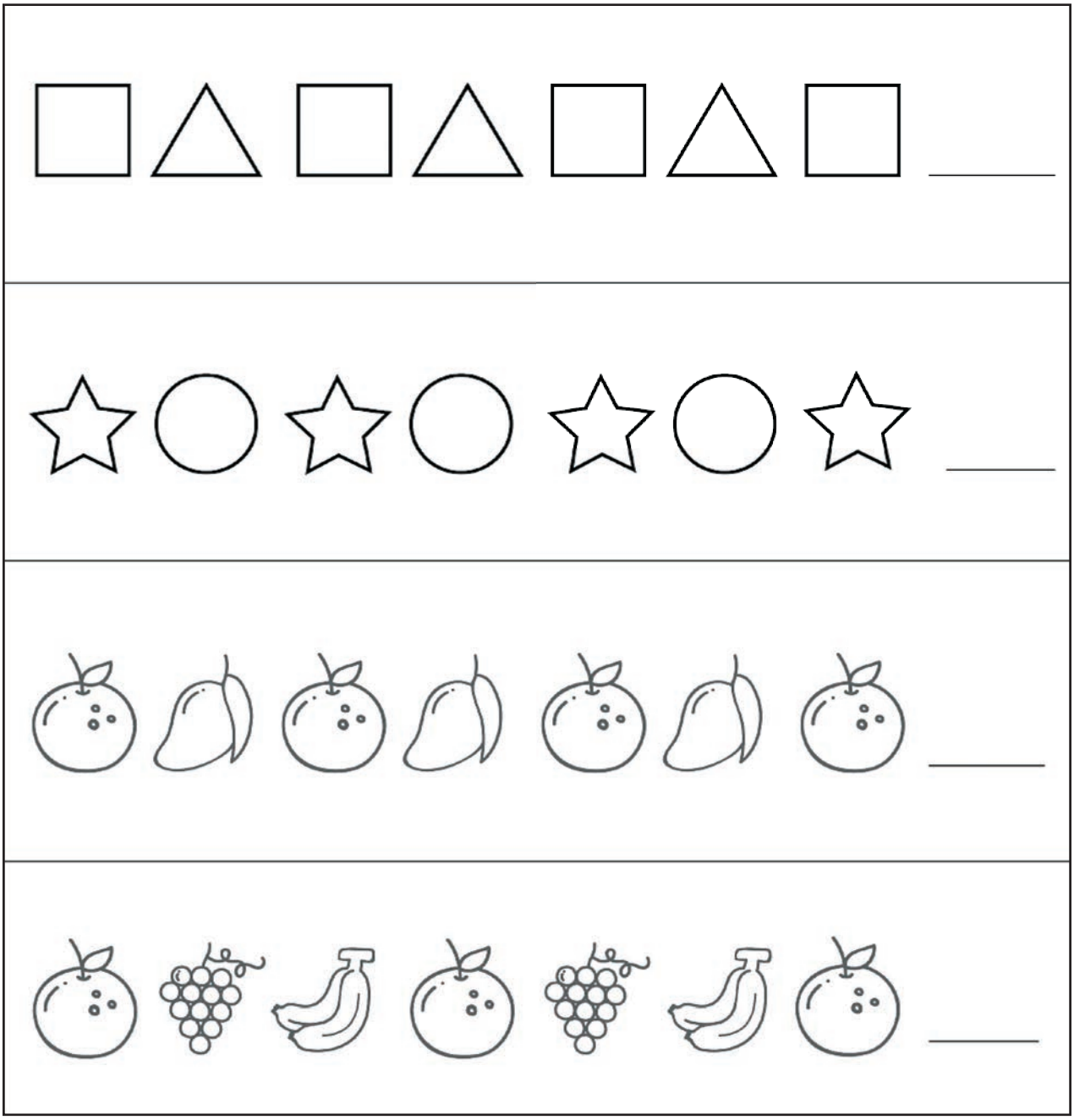

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों को हर लाइन में पैटर्न समझाते हुए आगे विस्तार करने के लिए कहें।

दिनांक : .....

समय की पहचान

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

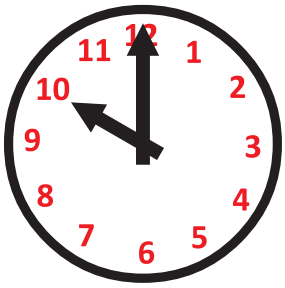

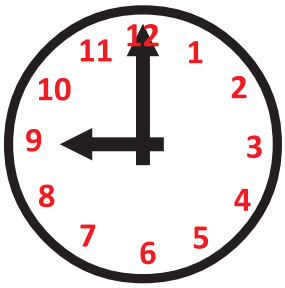

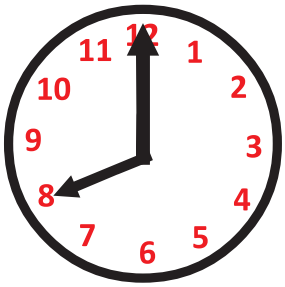

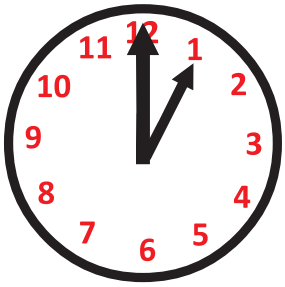

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- छात्रों से चर्चा करे कि वे चित्र में दिखाए गए कार्य को स्वयं किस समय करते हैं।
- छात्रों से घड़ी के समय के साथ चित्रों का मिलान करवाएँ।

दिनांक : .....

गिनों और लिखो

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

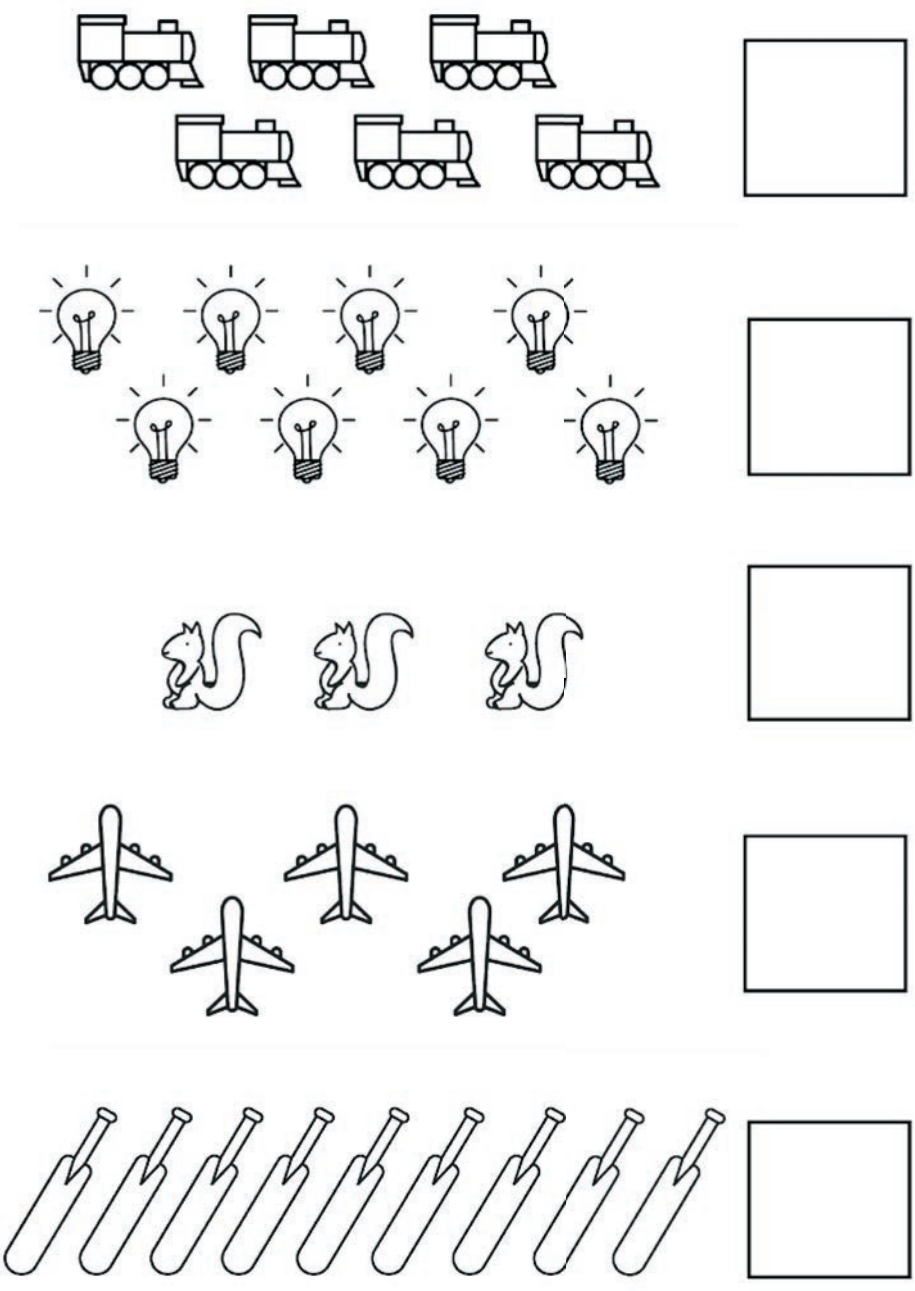

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से चित्र में दिए गए वस्तुओं को गिनकर बॉक्स में अंक लिखने को कहें।

बिंदु मिलान

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner

आयाम : बौद्धिक विकास

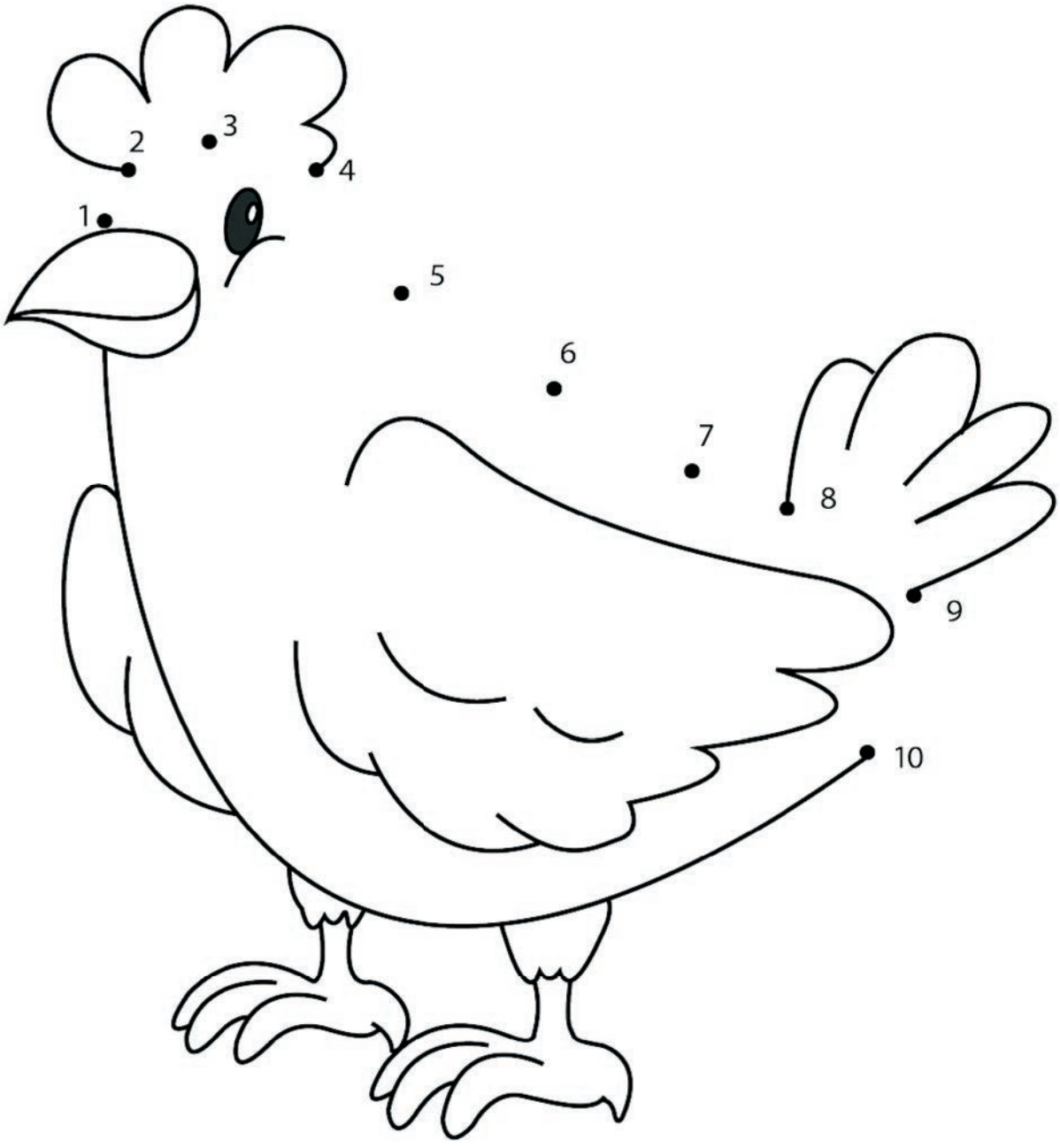

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से दिए गए चित्र पर स्थानीय भाषा में बात करें।
- बच्चों से बिंदु मिलान करवाते हुए चित्र पूरा करने को कहें एवं चित्र में रंग भरवाएँ।

भूल-भूलैया

दिनांक : .....

लक्ष्य 3 : Involved Learner
आयाम : बौद्धिक विकास

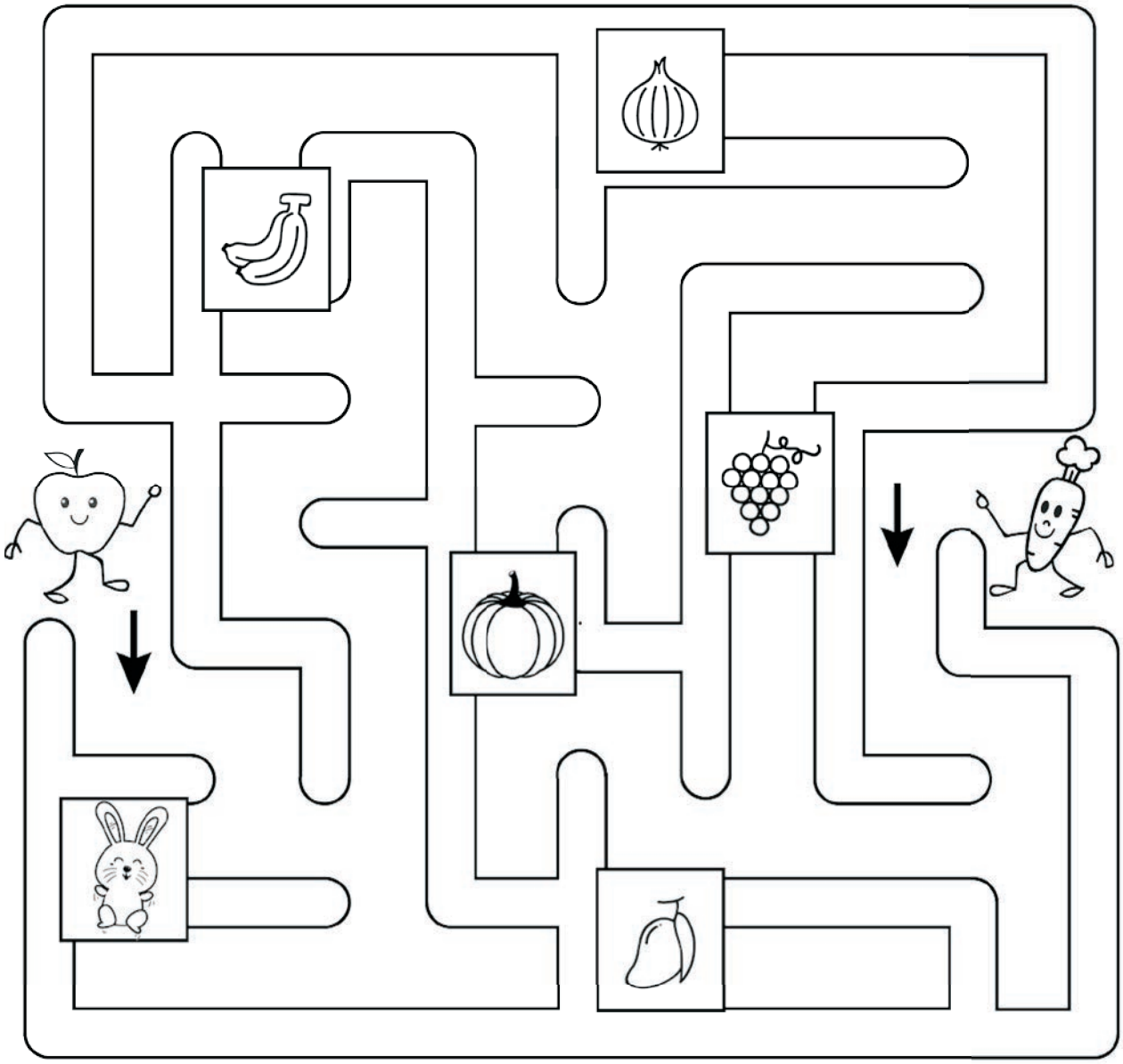

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों से चित्र पर चर्चा करें। चित्र में आई वस्तुओं पर बातचीत करें।
- बच्चों को निम्न नियम समझाते हुए सेब (फल) और गाजर (सब्जियाँ) का रास्ता खोजने में मदद करें।
- बच्चों को समझाना है कि फल केवल फलों के साथ बक्सों के ऊपर से कूद सकते हैं और सब्जियाँ केवल सब्जियों के साथ बक्सों के ऊपर कूद सकती हैं।

कविता

लक्ष्य 2 : Effective Communicator
आयाम : भाषा विकास

खरगोश

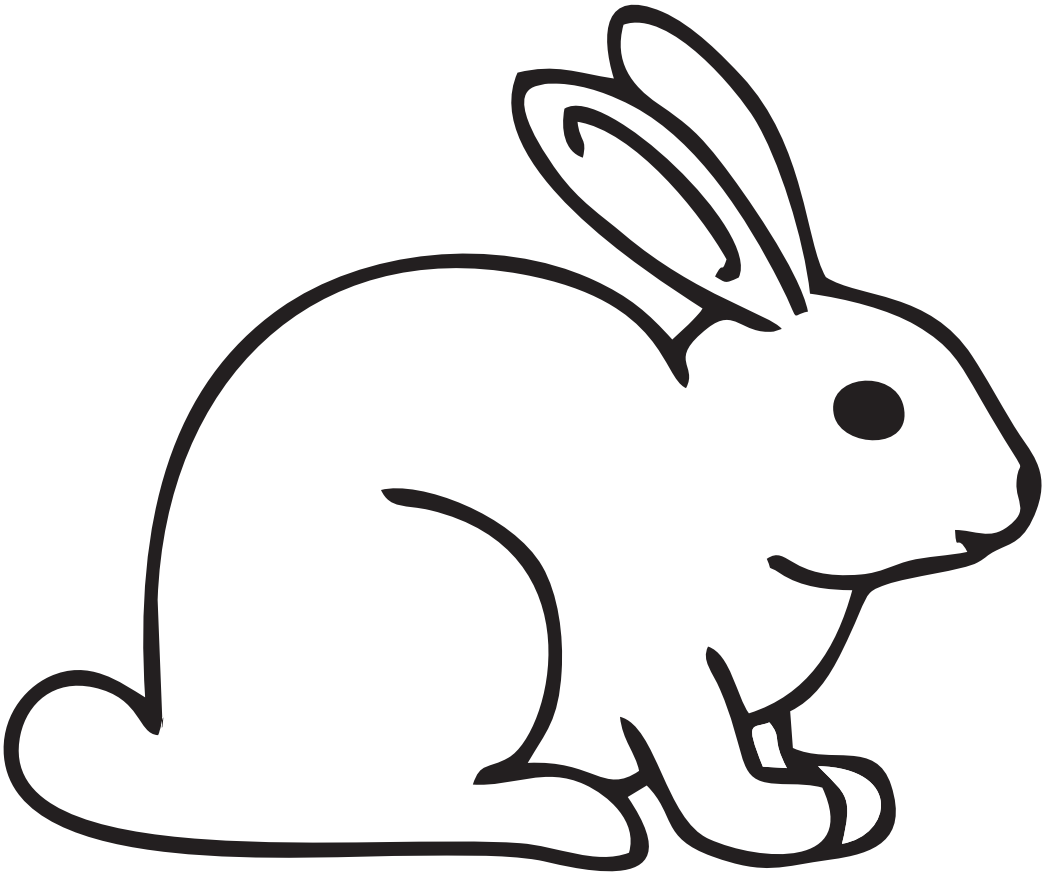

छोटा सा यह खरगोश
देखो – देखो इसका जोश
रंग है इसका बड़ा निराला

सुन्दर सफेद और है काला
ये है चलता उचक-उचक कर
कान खड़े कर फुदक-फुदक कर

शिक्षक हेतु दिशा निर्देश :

- बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता सुनाएँ।
- सभी बच्चों से 'खरगोश' के चित्र में उनके पसन्द का रंग भरवाएँ।
- सभी बच्चों से खरगोश की चाल का अभिनय करवाएँ।

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

शिक्षा का अधिकार

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

ब्लॉक 5, डॉ. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल परिसर, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर (राजस्थान)